हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 285, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 17 अप्रैल, 2024 दिन बुधवार गाजीपुर/वाराणसी

पथराव और गोलीबारी गुजरे वक्त की बात अब अंतिम सासें गिन रहा आतंकवाद : शाह

पूरे देश की तरह यहां भी आन-बान-शान के साथ हमारा तिरंगा गगन छू रहा

जम्मू। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को जम्मू के पलौड़ा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अब जम्मू कश्मीर में पथराव और गोलीबारी गुजरे समय की बात बन गए हैं। अब प्रदेश में आतंकवाद अंतिम सांसे गिन रहा है। शाह ने कहा, पीएम मोदी के कार्यकाल के 10 साल में जम्मू-कश्मीर को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। एक जमाना था, जब ऐसे जलसे की कल्पना ही नहीं कर सकते थे। प

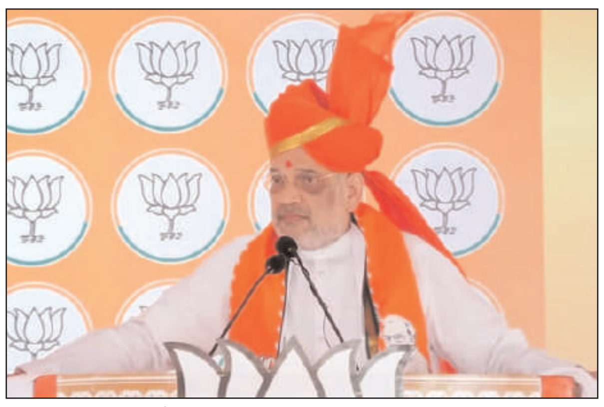

ाथराव होता था, गोलीबारी होती थी, बम धमाके होते थे, पाकिस्तान से हड़ताल का ऐलान किया जाता था और 370 का साया पूरे जम्मू-कश्मीर पर छाया था। आज 370 समाप्त हो गई है, आतंकवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है और जो युवा पथराव कर रहे थे, उन युवाओं के हाथ में लैपटॉप है।' अमित शाह ने कहा, 'श्यामा प्रसाद ने नारा दिया था, 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान व दो निशान नहीं चलेगा'। आज जम्मू कश्मीर से 370 समाप्त हो गया है। पूरे देश की तरह यहां भी आन-बान-शान के साथ हमारा तिरंगा गगन छू रहा है। बहुत कठिन दौर से संघर्ष करके भाजपा के नेता जम्मू-कश्मीर की कश्ती को बाहर निकाल कर लाए हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू में पैर रखते ही भाजपा कार्यकर्ता के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। ये याद करके कि भाजपा के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने यहीं बलिदान दिया था। शाह ने कहा, 'फारूक अब्दुल्ला कहते थे कि नरेंद्र मोदी 10 बार प्रधानमंत्री बन जाएं, लेकिन अनुच्छेद 370 नहीं हटा सकते। लेकिन दूसरी बार के कार्यकाल में ही जम्मू-कश्मीर से 370 हटा दिया गया है।' शाह ने महबूबा मुफ्ती को घेरते हुए कहा, 'महबूबा कहती थीं कि अगर 370 हटा तो तिरंगे को कोई कंधा देने वाला नहीं होगा। आप और मैं तो चले जाएंगे लेकिन तिरंगा तो अजर है, अमर है... हमेशा रहने वाला है।' उन्होंने कहा कि नेकां-पीडीपी कहते थे कि गुज्जर और बकरवाल का आरक्षण काट दिया जाएगा, लेकिन उनके आरक्षण से बदलाव किए बिना पहाड़ी समुदाय को आरक्षण दिया गया है।

रामदेव, बालकृष्ण एक हफ्ते के अंदर सार्वजनिक रूप से माफी मांगें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को योग गुरु रामदेव, उनके सहयोगी बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद को भ्रामक विज्ञापन मामले में सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। सुनवाई के दौरान रामदेव और बालकृष्ण दोनों मौजूद थे और उन्होंने व्यक्तिगत रूप से शीर्ष अदालत से बिना शर्त माफी मांगी। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने उनकी माफी का संज्ञान लिया, लेकिन यह स्पष्ट किया कि इस स्तर पर हमने रियायत देने का फैसला नहीं किया है। पीठ ने बालकृष्ण से बातचीत करते हुए उनसे कहा, 'आप अच्छा काम कर रहे हैं लेकिन आप एलोपैथी को नीचा नहीं दिखा सकते।' पीठ से बातचीत करने वाले रामदेव ने भी कहा कि उनका किसी भी तरह से अदालत का अनादर करने का कोई इरादा नहीं था।

डिंपल यादव ने किया नामांकन, पति अखिलेश यादव सहित दिखा पूरा सैफई परिवार

मैनपुरी। मैनपुरी लोकसभा सीट से सपा प्रत्याशी के रूप में मंगलवार को सांसद डिंपल यादव नामांकन किया। इस दौरान सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पूर्व मुख्यमंत्री उनके साथ मौजूद रहे। डिंपल यादव अपने नामांकन से पूर्व ससुर मुलायम सिंह यादव कि समाधि स्थल पर पहुंचीं। जिसके बाद वे मैनपुरी आईं। यहां सपा प्रत्याशी के नामांकन से पूर्व पार्टी के नेता और कार्यकर्ता आवास विकास स्थित सपा कार्यालय पर एकत्रित हुए थे। सपा प्रत्याशी सांसद डिंपल यादव मंगलवार को सुबह सैफई से चलकर आवास विकास स्थित सपा कार्यालय पहुंचीं। सपा कार्यालय से प्रस्तावकों के साथ कलेक्ट्रेट के लिए रवाना हुईं। कलेक्ट्रेट स्थित जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में 12. 30 बजे अपना नामांकन जमा किया। सपा प्रत्याशी सांसद डिंपल यादव के नामांकन के समय पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के साथ सैफई परिवार नजर आया। उनके साथ राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव, चाचा शिवपाल सिंह यादव, पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव, पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव भी रहे।

पटना मेट्रो का काम कर रहे क्रेन से जा टकराया ऑटो, 7 की मौत

पटना। पटना में मेट्रो का काम कर रहे क्रेन और ऑटो में भयंकर टक्कर हो गई जिसमें सात लोगों की मौत हो गई। ऑटो में आठ लोग सवार थे। घटना कंकड़बाग थाना क्षेत्र के न्यू बाईपास की है। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी का माहौल फैल गया। घटना के संबंध में ट्रैफिक डीएसपी ने बताया कि एक ऑटो मीठापुर से जीरोमाइल की तरफ जा रही थी, जिसमें आठ लोग

सीएम नीतीश कुमार ने जताया शोक

सवार थे। वहीं दूसरी तरफ मीठापुर के नजदीक मेट्रो का काम चल रहा था। इसी क्रम में ऑटो मेट्रो की क्रेन से टकरा गई। इस हादसे में बच्चा महिला समेत चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि तीन लोग की मौत अस्पताल ले जाने के क्रम में हो गई। मिली जानकारी के अनुसार घटना में मोतिहारी, रोहतास और नेपाल के लोग पटना जंक्शन से उतरकर ऑटो से जीरो माइल स्थित बस स्टैंड की ओर जा रहे थे तभी राम कृष्ण नगर बाईपास पर यह हादसा हुआ। मरने वालों में इंद्रजीत दास (29), लक्ष्मण दास (60), उपेंद्र बैठा (40), नेहा कुमारी (32), अभिनंदन कुमार (5), रानी कुमारी (डेढ़ वर्ष), पिंकी देवी (22)

जबकि मात्र एक बचे युवक में मुकेश साहनी (26) शामिल हैं। पिंकी मोतिहारी जिला के सेमरा सकरदिरा की रहने वाली थी। इस घटना में उसका बेटा अभिनंदन (5) और डेढ़ साल की बेटी रानी की भी मौत हो गई है। पिंकी देवी के पति मुकेश सहनी घायल हैं। लक्ष्मण दास नेपाल के जलेसर धाम के रहने वाले थे, जबकि उपेन्द्र कुमार बैठा रोहतास जिला के प्रेमपुर पतारी गांवके रहने वाले थे। पिंकी पटना के अनिसाबाद में टेंपो पर सवार हुई थी, जबकि उपेंद्र कुमार बैठा बस स्टैंड के पास टेम्पू में बैठे थे। टेम्पू का चालक मौके से फरार हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही ट्रैफिक एसपी अशोक कुमार चौधरी, ट्रैफिक डीएसपी अनिल कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और घटना को लेकर जांच -पड़ताल शुरू कर दी। फिलहाल मेट्रो कार्य में लगे क्रेन और चालक की खोजबीन की जा रही है। पुलिस ने सभी मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए पीएमसीएच भेज दिया है। पटना के बाईपास में सड़क एक्सीडेंट में 7 लोगों की मौत के चश्मदीद गवाह घायल मुकेश साहनी ने बताया कि वह मूल रूप से मोतिहारी का रहने वाला है और अपने 5 वर्ष के बेटे अभिनंदन, डेढ़ वर्ष की बेटी रानी कुमारी और पत्नी पिंकी देवी के साथ बस पकड़ने ऑटो से बस स्टैंड जा रहे थे। इसी क्रम में राम लखन पथ के पास अचानक ऑटो बाएं से दाहिनी की तरफ टर्न लेते ही मेट्रो का काम कर रहे हैं क्रेन से जा टकराया। हादसा इतना भयावह था कि इस हादसे में ऑटो पूरी तरह पलट गई और उस पर सवार सभी लोग घायल हो गए। हालांकि इस हादसे में मुकेश साहनी को अभी तक यह पता नहीं है कि उनके दोनों बच्चे और पत्नी की मौत हो चुकी है। उनकी हालत गंभीर है और अस्पताल में बार-बार अपने बच्चे और पत्नी को खोज रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि उनकी पत्नी और बच्चे कहां है, उन्होंने बताया कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

श्रीनगर में बड़ा हादसा : झेलम नदी में नाव डूबी 6 की मौत, 6 को बचाया, 3 अब भी लापता

जम्मू। श्रीनगर में बड़ा हादसा हुआ है। यहां झेलम नदी में नाव डूब गई। इसमें 15 लोग सवार थे, जिसमें आठ वयस्क और सात विद्यार्थी शामिल थे। हादसे का पता चलते ही तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया। अब तक 12 लोगों की तलाश की जा चुकी है। हादसा गंडबल बटवाड़ा में हुआ है। इनमें छह की जान जा चुकी है और तीन का उपचार चल रहा है। तीन अन्य की हालत स्थिर है, जबकि तीन अब भी लापता हैं। बचाव अभियान चल रहा है। श्रीनगर उपायुक्त डॉ. बिलाल मोहि-उद-दीन भट ने इसकी जानकारी दी है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। वहीं, मौके पर संभागीय आयुक्त कश्मीर, आईजीपी कश्मीर, उपायुक्त श्रीनगर और एसएसपी श्रीनगर, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और पुलिस के अधिकारी पहुंचे हुए हैं। अधिकारियों ने मौके से बचाव अभियान की निगरानी कर रहे हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर में नाव दुर्घटना पर गहरा दुख जताया है। उपराज्यपाल ने जारी संदेश में कहा, 'हादसे में हुई लोगों की मृत्यु से मुझे गहरा दुख हुआ है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं और मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह उन्हें इस अपार क्षति को सहने की शक्ति दें। एसडीआरएफ, सेना और

अन्य एजेंसियों की टीम राहत और बचाव कार्य कर रही हैं।' कहा, 'प्रशासन उन शोक संतप्त परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और जो लोग घायल हुए हैं, उन्हें चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। मरीन कमांडो (मार्कोस) टीमों को भी अलर्ट कर दिया गया है। मैं लगातार स्थिति पर नजर रख रहा हूं और मैदान पर टीम का मार्गदर्शन कर रहा हूं।' हादसे की खबर के बाद श्रीनगर में शोक की लहर दौड़ गई है। जिन लोगों के अपने नाव में सवार हैं, उनका रो-रो कर बुरा हाल है। अपनों को फिर से पाने के लिए वे ईश्वर से प्रार्थनाएं करते दिखे। साथ ही स्थानीय लोगों ने कहा है यहां पुल का काम कई सालों से अधर में लटका हुआ है। ऐसे में नदी पार करने के लिए उन्हें नाव का सहारा लेना पड़ता है। बिगड़े के मौसम के बीच नदी को पार करते हुए यह हादसा हो गया। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने हादसे पर दुख जताते हुए सवाल किया कि समय पर पुल बनने का काम पूरा क्यों नहीं हुआ। इसकी जांच कराई जानी चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा, 'उन परिवारों पर क्या असर होगा जिनके अपने इस कश्ती में सवार थे। मैं सरकार से सवाल करूंगा कि जो पुल वहां बन रहा था उसे आज तक पूरा क्यों नहीं किया गया...उमर अब्दुल्ला के वक्त से इस पुल का निर्माण चल रहा था।

तिहाड़ से सीएम का संदेशः 'मेरा नाम अरविंद केजरीवाल... मैं आतंकवादी नहीं हूं', सांसद संजय सिंह ने पढ़ी चिट्ठी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए मुख्यमंत्री का संदेश जनता के लिए पढ़ा। उन्होंने संदेश में पढ़ा कि मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है और मैं आतंकवाद नहीं हूं। आजादी के बाद देश के सबसे बड़े घोटाले इलेक्ट्राल बॉन्ड जिसके जरिए भाजपा को रिश्वत दी गई। उसके पक्ष में देश के प्रधानमंत्री खड़े हैं, उसका बचाव कर रहे हैं। संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अपने ही देश के एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के साथ जेल में आतंकवादियों की तरह व्यवहार कर रहे हैं। भाजपा और नरेंद्र मोदी नफरत से भरे हैं, तभी केजरीवाल से उनके परिवार और पंजाब के सीएम भगवंत मान से मुलाकात शीशे की दीवार खड़ी करा रहे हैं। आगे कहा कि नरेंद्र मोदी अरविंद केजरीवाल को प्रताड़ित कर उनको और आप के नेताओं को अपमानित व मनोबल तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री अरविंद केजरीवाल को जितना तोड़ने की कोशिश करेंगे, वो और मजबूत होकर उनसे लड़ाई लड़ने का काम करेंगे। केजरीवाल के साथ आतंकवादियों जैसा सलूक आप के लिए कष्ट देने और मोदी और भाजपा के लिए शर्म करने की बात है। मोदी के इस तानाशाही कार्य की आप निंदा करती है, इससे अरविंद केजरीवाल न टूटेंगे

और न झुकेंगे। गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का जेल से भेजा हुआ संदेश पढ़ते हुए संजय सिंह ने कहा कि मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है और मैं आतंकवादी नहीं हूं। प्रधानमंत्री और उनकी 10 साल की सरकार ने देश के लिए कुछ नहीं किया। आगे कहा कि आजादी के बाद देश के सबसे बड़े घोटाले इलेक्टोरल बॉन्ड, जिसके जरिए भाजपा को रिश्वत दी गई।

सपा-कांग्रेस पर जमकर गरजे सीएम योगी, बोले- भाजपा ने अयोध्या में बनवाकर दिखाया राम मंदिर

बिजनौर। लोकसभा चुनाव 2024 के प्रचार-प्रसार में भाजपा कोई कोर कसर नहीं है। भाजपा के स्टार प्रचारक पश्चिमी यूपी में डटकर ताकत झोंक रहे हैं। वहीं, मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फिर से बिजनौर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए अपने 20 मिनट के भाषण में विपक्ष पर जमकर हमला बोला। इस दौरान जनसभा में मोदी-योगी के जमकर नारे लगते रहे। वहीं, सीएम की जनसभा में योगी की वेशभूषा में दो साल का कार्तिक उपाध्याय पुत्र सुनील उपाध्याय पहुंचा। इस दौरान सभा में मौजूद ने कार्तिक को इस वेशभूषा में देख अपने मोबाइलों में कैद किया। कई लोगों ने कार्तिक के साथ सेल्फी भी ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 20 मिनट के अपने संबोधन में कांग्रेस व सपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने भगवान राम को अयोध्या में विराजमान करके

दिखाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि भाजपा ने देश के करोड़ों लोगों को मुफ्त आवास की सुविधा दी तो अयोध्या में भगवान राम का मंदिर भी बनवा कर दिखाया है। नहटौर में आयोजित चुनावी जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपने 2014 से पहले का भारत भी देखा है। आज का नया भारत भी आपके सामने है। पिछले 10 वर्षों में कोई देश किस कदर तेजी से विकास के पद पर अग्रसर हो सकता है, दुनिया में इसका उदाहरण भारत है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने प्रदेश में सुरक्षा का माहौल देने का काम किया, जबकि विपक्षी पार्टियां खास कर सपा के राज में माफिया को गले का हार बनाया जाता था। उन्होंने कहा कि अब माफिया, गुंडों व दंगाइयों का इलाज राम-राम सत्य के रूप में हो रहा है। उन्होंने तीसरी बार मोदी को देश का प्रधानमंत्री बनने के लिए ओम कुमार को सांसद बनाने का आवाहन किया। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में राशन की फ्री योजना अगले पांच साल तक लागू रहेगी। उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना भी लागू रहेगी। सीएम ने कहा कि एक तरफ गरीबों के मकान बन रहे हैं तो वही अयोध्या में राम का मंदिर बना है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में बेटियां और व्यापारी भी सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि जब कल्याणकारी सरकार आती है तो ऐसे ही काम होते हैं। सीएम ने कहा कि आपको देश और प्रदेश में जो परिवर्तन देखने को मिल रहा है, उसका श्रेय आप लोगों को जाता है। क्योंकि आप लोगों ने पीएम मोदी की सरकार बनाई है। कहा कि विपक्ष को अच्छाई पसंद नहीं, इन्हें अच्छाई से नफरत है।

यूपीएससी (आईएएस) 2023 का परिणाम घोषित, लखनऊ के आदित्य श्रीवास्तव ने किया टॉप

प्रखर डेस्क। संघ लोक सेवा आयोग ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2023 के लिए अंतिम परिणाम 16 अप्रैल, 2024 को घोषित कर दिया गया। लिस्ट में कुल 1016 उम्मीदवारों ने जगह बनाई है। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2023 में शामिल हुए उम्मीदवार आयोग की आधिकारिक वेबसाइट upsc.gov.in पर जाकर रिजल्ट पीडीएफ डाउनलोड कर सकते हैं। इस साल यूपीएससी फाइनल रिजल्ट में आदित्य श्रीवास्तव ने टॉप किया है। यूपीएससी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट upsc.gov.in पर एक सार्वजनिक सूचना के माध्यम से परिणामों की घोषणा की। नोटिस में लिखा है, "संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सितंबर, 2023 में आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, 2023 के लिखित भाग और जनवरी-अप्रैल 2024 में आयोजित व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार के परिणाम के आधार पर, नियुक्ति के लिए अनुशंसित अभ्यर्थियों की योग्यता सूची जारी की गई है।"

किस वर्ग के कितने उम्मीदवार?

यूपीएसी में सफलता पाने वाले 1016 उम्मीदवारों में 347 सामान्य वर्ग, 115 ईडब्ल्यूएस, 303 अन्य पिछड़ा वर्ग, 165 अनुसूचित जाति और 86 अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं।

आईएएस के लिए 80 उम्मीदवारों का चयन

इस बार आईएएस सेवा के लिए 180 उम्मीदवारों का चयन हुआ है, जिसमें 73 सामान्य वर्ग, 17 ईडब्ल्यूएस, 49 अन्य पिछड़ा वर्ग, 27 अनुसूचित जाति और 14 अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं।

37 उम्मीदवार बनेंगे आईएफएस अफसर

ऐसे ही आईएफएस सेवा के लिए 37 उम्मीदवारों का चयन हुआ है, जिसमें 16 सामान्य वर्ग, 4 ईडब्ल्यूएस, 10 अन्य पिछड़ा वर्ग, 5 अनुसूचित जाति और 2 अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं।

आईपीएस सेवा के लिए 200 उम्मीदवारों का चयन

इसके साथ आईपीएस सेवा के लिए 200 उम्मीदवारों का चयन हुआ है, जिसमें 80 सामान्य वर्ग, 20 ईडब्ल्यूएस, 55 अन्य पिछड़ा वर्ग, 32 अनुसूचित जाति और 13 अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं।

सेंट्रल सर्विस ग्रुप 'A' और 'B' के लिए इतनों का चयन

यूपीएससी की ओर से जारी परिणामों में सेंट्रल सर्विस ग्रुप 'A' के लिए कुल 613 और ग्रुप 'B' सर्विसेस के लिए 113 उम्मीदवार चयनित हुए हैं।

भाजपा की सूची में यूपी के दो समेत सात उम्मीदवारों के नाम, बृजभूषण शरण की सीट पर अब भी सस्पेंस

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की एक और सूची जारी कर दी है। सूची में सात उम्मीदवारों का एलान किया गया है। इसमें महाराष्ट्र की एक लोकसभा सीट के अलावा पंजाब की तीन, उत्तर प्रदेश की दो और पश्चिम बंगाल की एक सीट पर उम्मीदवार उतारा है। बड़ी बात यह है कि यूपी की जिन दो सीटों पर उम्मीदवारों का एलान किया गया है, उनमें देवरिया और फिरोजाबाद शामिल हैं। प्रदेश में बृजभूषण शरण सिंह की सीट कैसरगंज पर पार्टी ने अब तक कोई फैसला नहीं लिया है। सूची के मुताबिक, महाराष्ट्र की सतारा लोकसभा सीट से छत्रपति उदयनराजे भोंसले, पंजाब में खडूर साहिब से मंजीत सिंह मन्ना मियाविंड, होशियारपुर (अजा) से अनिता सोम प्रकाश और बठिंडा से परमपाल कौर सिद्ध (पूर्व आईएएस) को टिकट दिया गया है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश की देवरिया सीट से शशांक मणि त्रिपाठी और फिरोजाबाद सीट से ठाकुर विश्वदीप सिंह को चुनावी मैदान में उतारा गया है। इसके साथ पश्चिम बंगाल की डायमंड हार्बर लोकसभा सीट से भाजपा ने अभिजीत दास (बॉबी) को टिकट दिया है। यहां उनका मुकाबला तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और मौजूदा सांसद अभिषेक बनर्जी से होगा। यूपी के जिन दो सीटों पर पार्टी ने उम्मीदवार उतारे हैं, वहां पिछले लोकसभा चुनाव में उसकी जीत हुई थी। देवरिया में पार्टी ने मौजूदा सांसद रमापति राम त्रिपाठी का टिकट काट दिया है। उनकी जगह शशांक मणि त्रिपाठी को चुनावी मैदान में उतारा गया है। शशांक के पिता प्रकाश मणि त्रिपाठी सांसद रह चुके हैं। इसके अलावा

फिरोजाबाद लोकसभा सीट से मौजूदा चंद्र सेन जादौन का टिकट भी काट दिया गया है। उनकी जगह पार्टी ने क्षत्रीय चेहरे ठाकुर विश्वदीप सिंह पर दांव लगाया है। युपी की जिन 75 सीटों पर भाजपा चुनाव लड़ रही है, उनमें से सिर्फ रायबरेली और कैसरगंज सीट पर प्रत्याशी घोषित होना बाकी है। कहा जा रहा है कि रायबरेली में कांग्रेस उम्मीदवार के एलान के बाद भाजपा अपने पत्ते खोलेगी। वहीं, कैसरगंज में मौजूदा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को लेकर सस्पेंस अब भी बरकरार है। हालांकि, बृजभूषण चुनाव प्रचार शुरू कर चुके हैं। भाजपा ने पश्चिम बंगाल की सभी 42 सीटों पर उम्मीदवार तय कर दिए हैं। इस बार डायमंड हार्बर लोकसभा सीट से भाजपा ने अभिजीत दास (बॉबी) को टिकट दिया है। यहां उनका मुकाबला तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और मौजूदा सांसद अभिषेक बनर्जी से होगा। पार्टी इससे पहले बाकी 41 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। सूची में पंजाब की तीन लोकसभा सीट के लिए भी उम्मीदवारों का एलान कर दिया गया है। बठिंडा सीट से पार्टी ने पूर्व आईएएस परमाल कौर सिद्धू को अपना उम्मीदवार बनाया है। सिद्धू ने हाल ही में इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थामा था। उनके इस्तीफे को लेकर विवाद भी हुआ था, जब पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा था कि अब तक उनका इस्तीफा मंजूर नहीं हुआ है। ऐसे में वह किसी पार्टी में शामिल नहीं हो सकते। परमाल कौर सिद्धू अकाली नेता सिकंदर सिंह मल्लुका की बहू हैं। बठिंडा में उनका मुकाबला अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल से हो सकता है। 2019 में हरसिमरत यहां से जीतीं थीं।

संपादकीय

संकल्प के सवाल

कांग्रेस द्वारा चुनावी घोषणा पत्र जारी करने के बाद अब सत्तारूढ़ भाजपा ने भी अपना संकल्प पत्र जारी किया है। पार्टी ने वंचित समाज को केंद्र में रखकर डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती को अपने संकल्प पत्र को जारी करने के दिन के रूप में चुना। संदेश देने का प्रयास किया कि उसे देश के वंचित समाज के अहसासों की फिक्र है। दो कार्यकालों की रीति-नीतियों के अनुरूप अंदाजा लगाना कठिन न था कि भाजपा के घोषणापत्र का खाका क्या होगा। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पार्टी प्रधानमंत्री की छवि और पिछले कार्यकाल की उपलब्धियों को लेकर चुनावी मैदान में है। इस घोषणापत्र में नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प की बानगी नजर आती है। ऐसे वक्त में जब पिछले कार्यकालों में भाजपा अपने दो मुख्य मुद्दों अनुच्छेद 370 हटाने व राममंदिर बनाने के वायदे को पूरा कर चुकी है तो जाहिर है नागरिक संहिता का मुद्दा उसकी प्राथमिकता में होना ही था। जो, इस घोषणा पत्र में विशेष रूप से उल्लेखित है। इसके अलावा भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में एक देश एक चुनाव, गरीबों को पांच साल तक मुफ्त राशन, सत्तर साल से अधिक उम्र के लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा, तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाना, पेपर लीक रोकने के लिए कड़ा कानून लाना, तीन करोड़ गरीबों को घर उपलब्ध कराना, बीस लाख तक का मुद्रा लोन उपलब्ध कराना, किसान निधि को जारी रखना आदि के वायदे किए हैं। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि भाजपा ने 2019 के घोषणापत्र में भी यूसीसी, साठ साल से अधिक के दुकानदारों व किसानों को पेंशन, एक राष्ट्र, एक चुनाव जैसे वायदे किये थे। हालांकि, ऐसी तमाम योजनाओं को लेकर ह्यमोदी की गारंटीह्न का दावा पार्टी की तरफ से किया जाता रहा है। ये आने वाला वक्त बताएगा कि पार्टी किस हद तक अपने वायदों को हकीकत में बदल पाने में सक्षम होती है। जो उसे मिले जनादेश के आकार पर भी निर्भर करेगा। बहरहाल, अब किसी दल का संकल्प पत्र हो या न्याय पत्र, इसमें किये गये वायदों की तार्किकता पर विचार किया जाना जरूरी है। हाल के वर्षों में राजनीतिक दलों ने वायदों के रूप में जितने जुमले उछाले हैं, उनसे जनता का लगातार मोहभंग होता रहा है। इसमें दो राय नहीं कि हमारे संसाधन सीमित हैं। ऐसे में देश की अर्थव्यवस्था की सीमाओं के मद्देनजर ही राजनीतिक दलों को अपने वायदों को घोषणापत्र के रूप में सामने रखना चाहिए। देश की तरक्की मुफ्त की रेवड़ियां बांटने से नहीं हो सकती। हमारी नीतियां देश में उत्पादकता बढ़ाने वाली होनी चाहिए। हम कमजोर वर्गों का ध्यान रखें और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने को प्राथमिकता बनायें। सभी राजनीतिक दलों को देश की मुख्य समस्याओं बेरोजगारी, अशिक्षा, महंगाई दूर करने तथा स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर बनाने पर जोर देना चाहिए। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बड़े सामाजिक वर्ग के लिये लायी जाने वाली बीमा योजना से लक्षित समाज के बजाय बीमा कंपनियां मालामाल होती रही हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में निजी चिकित्सालयों के लिये ये बीमा योजनाएं कामधेनु बन रही हैं। सभी राजनीतिक दलों को देश के प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों से लेकर प्राथमिक स्कूलों तक को सशक्त करने का प्रयास करना चाहिए। भारत विविधता की संस्कृति का देश है। सामाजिक समरसता के लिये जरूरी है कि जाति, धर्म व क्षेत्र से परे विकास के लक्ष्य तैयार किये जाएं। राजनीतिक दलों को इस युवाओं के देश के लिये ऐसी क्रांतिकारी योजनाएं लाने की जरूरत है जो हर हाथ को काम दे सके। आखिर क्यों हमारी युवा पीढ़ी में विदेश भागने की होड़ लगी है। हम उन्हें देश में अनुकूल शिक्षा व बेहतर रोजगार की स्थितियां उपलब्ध कराएं ताकि उन्हें एजेंटों के माध्यम से लुटने-पिटने को मजबूर न होना पड़े। पर्यावरण का संकट हमारे देश के सामने लगातार चुनौती पैदा कर रहा है। जहरीली हवाएं जानलेवा साबित हो रही हैं। बेहतर हो कि राजनीतिक दल आम आदमी से जुड़े मुद्दों को अपने न्याय व संकल्प पत्रों में केंद्र में रखें।

हो रहा विध्वंश!

युद्ध चढ़ा परवान ।
लगता ना विराम ।।
छूट गया अब हाथ से ।
पूरी ही लगाम ।।
हो रहा विध्वंश ।
है चर्चा यह आम ।।
हो के रहेगा लगता ।
काम अब तमाम ।
अड़ गए हैं दोनों ।
एक से बढ़कर एक ।।
बढ़ रही है चिंता ।
वैश्विक भी अनेक ।।
जान माल का खतरा ।
ना अब थमने वाला ।।
छाया अंधकार है ।
दिखता ना उजाला ।।
–कृष्णेन्द्र राय

भारत का सकल घरेलू उत्पाद अगले 50 वर्षों में 52 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाने की संभावना

प्रह्लाद सबनानी

गोल्डमेन सेच्स नामक अंतरराष्ट्रीय निवेश संस्थान ने अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि आगे आने वाले 50 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 52 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। इस प्रकार भारत इस संदर्भ में अमेरिका को भी पीछे छोड़ते हुए विश्व में प्रथम स्थान पर आ जाएगा। वर्तमान में भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक आदि विभिन्न वित्तीय संस्थानों ने भी आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक वृद्धि दर को 7.2 प्रतिशत रहने की प्रबल संभावनाएं जताईं हैं। जबकि, आज विश्व के कई देश, विशेष रूप से ब्रिटेन, जर्मनी आदि, आर्थिक संकुचन के दौर से गुजर रहे हैं। रूस यूक्रेन युद्ध के चलते कई विकसित देश तो ऊर्जा की कमी के संकट से जूझ रहे हैं। भारत के विदेशमंत्री, डॉक्टर एस जयशंकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व के लगभग समस्त सशक्त देशों के साथ अच्छे सम्बंध बनाने में सफल रहे हैं। आज रूस को भी भारत की आवश्यकता है तो अमेरिका को भी। रूस, भारत को कच्चे तेल एवं सुरक्षा के लिए भारी मात्रा में शस्त्र उपलब्ध कराता है। वर्ष 2022 में भारत ने रूस से 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का सामान आयात किया था। वर्ष 2023 में यह बढ़कर 5,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर होने की प्रबल सम्भावना है। वहीं अमेरिका, भारत को अपना स्ट्रेटेजिक सहयोगी मानता है। आज विश्व की समस्त बड़ी शक्तियां भारत के साथ सौहार्द पूर्ण सम्बंध चाहती हैं। रूस, अमेरिका, यूरोपीयन देश एवं अरब देश भारत के साथ अपने व्यापार को विस्तार देना चाहते हैं। रूस भी भारत के साथ अच्छे सम्बंध चाहता है तो यूक्रेन भी। उधर इजराईल भी भारत के साथ अच्छे सम्बंध चाहता है तो इरान भी। भारत जी-20 समूह का सदस्य है तो भारत यू2आई2 एवं ब्रिक्स का भी सदस्य है। इस प्रकार कुल मिलाकर भारत का डंका आज पूरे विश्व में बज रहा है। आज भारत के पास विश्व की चौथी सबसे बड़ी फौज है। पश्चिमी बॉर्डर पर चीन से युद्ध की स्थिति में भारत आज इससे निपटने को पूर्णतः तैयार है।

भारत के पास आज युवा जनबल है। भारत की 66 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष की कम आयु की है। 40 प्रतिशत जनसंख्या 13 से 35 वर्ष के बीच में है। भारत के पास 35 वर्ष से कम आयु की जनसंख्या अमेरिका की कुल जनसंख्या से भी अधिक है। इसके विपरीत चीन, जापान, इटली, फ्रान्स आदि कई देशों की जनसंख्या अब धीमे धीमे कम हो रही है। इन देशों में आर्थिक गतिविधियों को बनाए रखने के लिए आज युवाओं की सख्त आवश्यकता है जो पूरे विश्व में केवल भारत ही उपलब्ध करा सकता है। वर्ष 2064 तक भारत की जनसंख्या बढ़ती रहेगी, ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार वैश्विक स्तर पर भारत विश्व में विकास के इंजन के रूप में अपनी भूमिका लम्बे समय तक निभाता रहेगा।

उक्त संदर्भ में दूसरा सबसे बड़ा कारण बताया गया है, भारत में हाल ही के समय में किया गया डिजिटलीकरण। इससे देश के ग्रामीण इलाकों में भी नागरिकों की दक्षता एवं उत्पादकता बढ़ गई है। भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग की वित्तीय एवं बैंकिंग संस्थानों द्वारा भरपूर आर्थिक सहायता की जा रही है इससे यह उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहे हैं एवं देश में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित कर रहे हैं। पूर्व में केवल बड़े उद्योगों

को ही बैकों द्वारा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती रही है परंतु भारत में अब यह ट्रेंड बदला है। कोविड महामारी के बाद से तो इस सम्बंध में बड़ा बदलाव देखने में आया है। डिजिटलीकरण के कारण छोटे छोटे व्यवसाइयों की क्रेडिट हिस्ट्री निर्मित हो रही है जिसके कारण बैकों को इन छोटे छोटे व्यापारियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में आसानी हो रही है। आधार ने तो देश के समस्त नागरिकों की एक अलग पहचान ही बना दी है। यूपीआई प्लेटफोर्म ने भी इस संदर्भ में ग्रामीण इलाकों में रोकड़ के उपयोग को कम कर डिजिटल प्लेटफोर्म पर वित्तीय व्यवहारों को हस्तांतरित किया है। छोटे छोटे व्यवसाईयों, किसानों, सामान्य नागरिकों को भी वित्तीय प्लेटफोर्म पर लाने में यह डिजिटलीकरण बहुत सफल रहा है। इससे वित्तीय समावेशन का कार्य भी आसान बन पड़ा है। भारत में डिजिटल व्यवहारों की संख्या आज संयुक्त रूप से अमेरिका, चीन एवं यूरोप से भी अधिक है। जबकि अमेरिका, चीन एवं यूरोप के देश भारत से अधिक विकसित देश हैं। इससे यह झलकता है कि भारत ने डिजिटलीकरण के मामले में पूरे विश्व को पीछे छोड़ दिया है। अब तो भारत का यूपीआई सिस्टम अमेरिका के स्विफ्ट पेमेंट सिस्टम को भी पीछे छोड़कर वैश्विक स्तर पर डिजिटलीकरण के मामले में अपनी धाक जमाने की ओर आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत का यूपीआई सिस्टम सिंगापुर, फ्रांस, श्रीलंका एवं यूएई में लागू किया जा चुका है। भारत के प्रधानमंत्री ने फ्रांस में भारतीय यूपीआई सिस्टम का उद्घाटन किया था, ताकि फ्रांस में जाने वाले पर्यटक यूपीआई सिस्टम के माध्यम से फ्रान्स में वित्तीय व्यवहार कर सकें। न्यूजीलैंड में भी यूपीआई को लागू किए जाने पर विचार किया जा रहा है। उक्त संदर्भ में तीसरा सबसे बड़ा कारण है चीन के, विस्तरवादी नीतियों के चलते, विश्व के अन्य देशों के साथ लगातार खराब होते सम्बंध। आज विश्व के कई देश चीन के साथ आर्थिक व्यवहार करने से कतराने लगे हैं। यह स्थिति भारत के आर्थिक विकास को गति दे सकती है क्योंकि चीन+1 की नीति का अनुपालन विश्व के कई विकसित देश आज करने लगे हैं एवं ये देश भारत में विनिर्माण के क्षेत्र में अपनी इकाईयों को स्थापित करते जा रहे हैं। ताइवान आदि देशों पर चीन की नीति की पूरे विश्व में भर्त्सना हो रही है। चीन के अपने बॉर्डर पर लगने वाले लगभग समस्त देशों के साथ चीन के सम्बंध अच्छे नहीं हैं। इन देशों का चीन पर अब भरोसा समाप्त सा होता जा रहा है। ऐपल एवं टेस्ला जैसी कम्पनियां अब भारत में अपनी विनिर्माण इकाइयां स्थापित कर रही हैं। ऐपल ने तो अपने आईफोन-15 का उत्पादन भारत में चालू भी कर दिया है। इससे भारत में न केवल रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं बल्कि विदेशी निवेश भी बढ़ रहा है। आज भारत में विदेशी मुद्रा भंडार 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आसपास रिकार्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। साथ ही, आज भारत का पूंजी बाजार (स्टॉक मार्केट) विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है। भारत द्वारा अपने बुनियादी ढांचे को विकसित करने में भारी भरकम राशि खर्च की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 11.11 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का बजट बुनियादी ढांचे के लिए निर्धारित किया गया है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि इस मद पर खर्च की गई थी। अयोध्या, वाराणसी, उज्जैन, हरिद्वार, जम्मू कश्मीर जैसे अन्य कई धार्मिक स्थलों को विकसित किया जा रहा है ताकि धार्मिक पर्यटन को भारत में बढ़ावा दिया जा सके। इन शहरों के बुनियादी ढांचे का अतुलनीय विकास किया जा रहा है।

अरुणाचल प्रदेश में विपक्ष की भूमिका निभाने में विफल रही कांग्रेस को क्या माफ किया जाना चाहिए?

नीरज कुमार दुबे

कांग्रेस और विपक्ष के तमाम नेता दिल्ली में बैठ कर दावे करते हैं कि लोकतंत्र को कुचला जा रहा है, देश में तानाशाही का माहौल बनाया जा रहा है और विपक्ष को जांच एजेंसियों का डर दिखाया जा रहा है। लेकिन जब आप राज्यों में जाकर देखेंगे तो पाएंगे कि विपक्ष अपनी भूमिका सही ढंग से नहीं निभा रहा है। इस बात का सबसे सशक्त उदाहरण अरुणाचल प्रदेश है। अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव साथ ही हो रहे हैं। राज्य में लोकसभा की दो सीटें हैं जबकि विधानसभा की 60 सीटें हैं। इस चुनाव को लेकर विपक्ष कितना गंभीर है इसका अंदाजा आपको इस बात से ही लग जायेगा कि दस विधानसभा सीटें भाजपा चुनाव से पहले ही निर्विरोध जीत चुकी है क्योंकि इन दस सीटों पर विपक्ष का कोई भी दल अपना उम्मीदवार नहीं खड़ा कर सका। राज्य में दशकों तक शासन करने वाली कांग्रेस की इस समय क्या स्थिति है इसे इस बात से भी समझ सकते हैं कि 10 सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन के बाद जिन 50 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव कराया जा रहा है उसमें भी कांग्रेस ने सिर्फ 19 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किये हैं। यानि कांग्रेस राज्य की 60 में से सिर्फ 19 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसका मतलब यह है कि वह यह चुनाव जीतने के लिए या सरकार बनाने के लिए लड़ ही नहीं रही है। सवाल उठता है कि क्या यही है लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका? सवाल उठता है कि जो दल विपक्ष की भूमिका के साथ न्याय नहीं कर पा रहा वह यदि सत्ता में आया तो क्या कर पायेगा? देखा जाये तो विपक्ष अपनी भूमिका सही ढंग से नहीं निभाये तो लोकतंत्र को खतरा हो सकता है। इसलिए मतदाताओं को चाहिए कि कांग्रेस को मुख्य विपक्ष की भूमिका से भी कुछ समय के लिए बाहर कर किसी और दल को यह अवसर दें। आप विडंबना देखिये कि अरुणाचल प्रदेश में कांग्रेस ने जिन 19 उम्मीदवारों को उतारा है उसमें से 17 नये चेहरे हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस का टिकट लेने के लिए कोई पुराना नेता राजी ही नहीं था इसलिए नये चेहरों को आगे बढ़ाया गया है। संभवतः यही कारण है कि राहुल गांधी ने अरुणाचल प्रदेश में अपनी पार्टी का चुनाव प्रचार नहीं किया जबकि वह अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा लेकर इस साल के शुरू में अरुणाचल पहुँचे थे।

चुनावों में जनता से किये जा रहे वादों की बात करें तो कांग्रेस एक ओर जहां तमाम तरह के न्यायों की गारंटी देने की बात कर रही है वहीं भाजपा ने 'विकसित भारत, विकसित अरुणाचल प्रदेश' नामक संकल्प पत्र में तमाम वादे जनता से किये हैं। महिला सशक्तिकरण, राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण, युवाओं के लिए तमाम सहूलियतें, सरकार की जवाबदेही, राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कई और कदम उठाने, राज्य की संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने, सबका साथ सबका विकास के सिद्धांत पर आगे बढ़ते रहने, किसानों को आर्थिक दृष्टि से मजबूत बनाने और राज्य की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने जैसे कई प्रमुख वादे किये गये हैं जोकि जनता को भा रहे हैं।

आप पूरे अरुणाचल प्रदेश में पाएंगे कि कांग्रेस चुनाव प्रचार से पूरी तरह गायब है जबकि भाजपा के नेता और कार्यकर्ता गली-गली घूम रहे हैं। वैसे अरुणाचल प्रदेश की यह बात अच्छी लगी कि यहां राजनीतिक पार्टियां उत्तर भारत की तरह अनाप शनाप खर्चे नहीं करतीं। यहां लगातार बड़ी रैलियां आयोजित करने से बचा जाता है और लाउडस्पीकरों पर दिनभर अपने उम्मीदवार के लिए प्रचार करते चुनावी वाहनों से मचने वाले शोर भी नहीं सुनाई देते। यहां घर-घर संपर्क और सामाजिक रूप से होने वाले जन एकत्रिकरण के दौरान लोगों को अपने वादों और उपलब्धियों से अवगत कराया जाता है। अरुणाचल प्रदेश में उम्मीदवारों की बात करें तो 50 विधानसभा सीटों के लिए कुल 133 उम्मीदवार मैदान में हैं। सभी सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होगा। पहले विधानसभा चुनावों की मतगणना लोकसभा चुनावों की मतगणना वाले दिन ही कराने का ऐलान किया गया था लेकिन राज्य विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने के चलते अब दो जून को ही पता चल जायेगा कि राज्य में किस पार्टी की सरकार बनेगी। हम आपको बता दें कि भाजपा के जिन 10 उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत हासिल की है उनमें मुख्यमंत्री पेमा खांडू भी शामिल हैं। भाजपा यहां सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है इसलिए सवाल उठता है कि क्या बहुमत मिलने पर पेमा खांडू ही फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे या राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की तरह भाजपा यहां भी किसी नये चेहरे को आगे करेगी?

विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सभी 50 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं जबकि विपक्षी कांग्रेस केवल 19 सीटों पर लड़ रही है। इसके अलावा, मेघालय स्थित एनपीपी ने 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं जबकि एनसीपी 14 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) 11 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसके अलावा, अरुणाचल डेमोक्रेटिक पार्टी ने चार सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) एक सीट से लड़ रही है। इसके अलावा 14 निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में हैं। आंकड़ों के मुताबिक कुल 80 उम्मीदवार पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। विधानसभा चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों में आठ महिलाएं हैं- जो राज्य में अब तक के किसी भी विधानसभा चुनाव में सबसे अधिक संख्या है। भाजपा ने चार महिलाओं को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस ने तीन महिलाओं को मैदान में उतारा है और एक महिला निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में भी चुनावी मैदान में है। दूसरी ओर, अरुणाचल प्रदेश की दो लोकसभा सीटों की बात करें तो यहां कुल 14 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। अरुणाचल पश्चिम सीट पर आठ उम्मीदवार और अरुणाचल पूर्व सीट पर छह उम्मीदवार मैदान में हैं। एक साथ होने वाले चुनावों में कुल 8,86,848 लोग मतदान करने के पात्र हैं। राज्य में कुल 2,226 मतदान केंद्र हैं और उनमें से 228 तक ही पैदल पहुंचा जा सकता है। लोंगडिंग विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 2-पुमाओ प्राइमरी स्कूल में मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक 1,462 है, जबकि ह्युलियांग निर्वाचन क्षेत्र के मालोगम गांव में केवल एक मतदाता है।

बेरुखी छोड़कर किसानों की सुनवाई करे हुकूमत

देविंदर शर्मा

पंजाब और हरियाणा में, जो किसानों के विरोध का केंद्र है, आंदोलित किसान गांवों में सत्ताधारी पार्टी के उम्मीदवारों के प्रवेश को रोक रहे हैं, जिससे भाजपा उम्मीदवारों को वोट मांगने में मुश्किल पैदा हो रही है। वे अक्सर कहते हैं- अगर आपने नई दिल्ली जाने का हमारा रास्ता रोका, तो हम अपने गांवों में आपकी एंट्री रोक देंगे। इतना ही नहीं, हरियाणा में भाजपा के साथ गठबंधन सरकार बनाने वाली जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की माता नैना चौटाला ने किसानों से गुजारिश की कि उन्हें उनके बेटे के गांवों में प्रवेश को नहीं रोकना चाहिए। वहीं उन्होंने किसानों से कहा, भाजपा राज्य और केंद्र दोनों में सत्ता पर काबिज है। इसके अलावा, दुष्यंत ने लगातार कृषक समुदाय की वकालत की है, यहां तक ??कि हिसार से सांसद के रूप में अपने पिछले कार्यकाल के दौरान भी। साथ ही नैना चौटाला ने मसले को हल करने के लिए बातचीत में शामिल होने के लिए उनका स्वागत किया। हिसार के नारा, गामरा, खानपुर और सिंधर गांवों में प्रचार करने पहुंचे दुष्यंत चौटाला को किसानों के गुस्से का सामना करना पड़ा। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि भाजपा के हिसार से उम्मीदवार रणजीत सिंह चौटाला को किसानों के एक समूह से भिड़ने के बाद एक गांव में एक सभा बीच में ही छोड़नी पड़ी और चुनाव संबंधी एक अन्य कार्यक्रम भी रद्द करना पड़ा। सिरसा से चुनाव लड़ रहे अशोक तंवर को भी अपने प्रचार के दौरान किसानों के गुस्से का सामना करना पड़ा है। बीजेपी सांसद और रोहतक से उम्मीदवार अरविंद शर्मा को कोसली विधानसभा क्षेत्र के एक गांव से कार्यक्रम छोड़कर जाना पड़ा क्योंकि स्थानीय लोगों ने उनकी बात सुनने से इनकार कर दिया। उनके दौरों के कई वीडियो में दिखाया गया है कि किस तरह से ग्रामीणों ने नेताओं के साथ धक्का-मुक्की और कटाक्ष किये, जिसके बाद तीखी नोकझोंक हुई और कई स्थानों पर उम्मीदवारों को पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। मिसाल के तौर पर, सोनीपत से उम्मीदवार मोहन लाल बडोली को जींद जिले में कुछ स्थानों पर इसी तरह का विरोध झेलना पड़ा। वहीं वीडियो क्लिप से पता चलता है कि कैसे गुस्साए किसानों की रणजीत चौटाला के साथ तीखी बहस हुई। कई नेताओं ने तो ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र के उन गांवों को नजरअंदाज कर दिया जहां उन्हें विरोध होने का डर है। पड़ोसी पंजाब में, भाजपा उम्मीदवार हंस राज हंस को बठिंडा के पास रामपुरा फूल में किसानों की नाराजगी का सामना करना पड़ा। जहां पुलिस ने किसानों को रोकने के लिए बैरियर लगाए थे, वहीं पुलिस के साथ झड़प हो गई। इसी तरह पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह की पत्नी प्रणीत कौर को भी किसानों के विरोध का सामना करना पड़ा। अमेरिका में पूर्व राजदूत तरनजीत सिंह संधू, जो अब अमृतसर सीट से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, को भी अपने चुनाव अभियान के दौरान नारेबाजी करने वाले किसानों का सामना करना पड़ा। वास्तव में, समाचार रिपोर्टों में कहा गया है कि किसानों ने करीब 60 गांवों में भाजपा उम्मीदवारों के प्रवेश को रोक दिया है। किसान नेताओं का कहना है कि उन्होंने अपने कार्यकताओं व

पदाधिकारियों से उन वायदों के बारे में सवाल करने को कहा है जो अधूरे रह गए। उनका दावा है कि इस तरह के विरोध प्रदर्शन पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के पश्चिमी हिस्सों और कुछ हद तक राजस्थान में हो रहे हैं। कई गांवों में तो भाजपा प्रत्याशियों के प्रवेश पर प्रतिबंध के बोर्ड लग गए हैं। जहां भाजपा इन विरोध प्रदर्शनों के आयोजन के लिए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी यानी आप को जिम्मेदार ठहरा रही है, वहीं आप उम्मीदवारों को भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। फसल में हुए नुकसान का मुआवजा न मिलने पर किसान आम आदमी पार्टी के बठिंडा शहरी विधायक के आवास के बाहर धरने पर बैठ गए। जबकि भाजपा इन विरोध प्रदर्शनों को कमतर आंक रही है, लेकिन उसे चिंता हो रही है कि यहां बन रही खिलाफत की गति यदि इन विरोध प्रदर्शनों को अन्य राज्यों तक फैलाती है, तो क्या यह सत्तारूढ़ पार्टी की जीत की संभावनाओं को रोकने में मददगार बनेगी। किसी भी हालत में, भारती किसान यूनियन (बीकेयू) के विभिन्न गुटों ने, जिन्होंने 2020-21 में नई दिल्ली की सीमाओं पर साल भर चले विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था, जिसके परिणामस्वरूप तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लिया गया था, उन्होंने किसानों से उम्मीदवारों का विरोध करने की अपील की है। वे उनके द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों के जवाब मांग रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने पंजाब के किसानों से भाजपा नेताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने और अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं के समक्ष सवाल उठाने की अपील की है। सबको मालूम है कि कृषि क्षेत्र लगातार गहरा रहे खेती के संकट से जूझ रहा है। लेकिन किसानों का गुस्सा काफी हद तक काहिली और निष्ठुरता के परिणामस्वरूप पैदा उदासीनता को लेकर है। हर चुनाव झ चाहे राज्य स्तर पर हो या केंद्र स्तर पर झ किसानों को लुभाने के लिए बहुत सारे वादे किए जाते हैं। साल 2014 में, यह आम तौर पर स्वीकार किया जाता है कि जब नरेंद्र मोदी ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने का वादा किया था, तो किसानों ने भाजपा के पक्ष में भारी मतदान किया था। उन्होंने स्वामीनाथन आयोग द्वारा सुझाए गए एमएसपी नुस्खे का पालन करने की आवश्यकता पर स्पष्ट रूप से बात की थी। लेकिन, किसान यूनियनों का कहना है कि एक बार सत्ता में आने के बाद, सरकार ने वास्तव में सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया था जिसमें कहा गया कि एमएसपी को कानूनी बनाना संभव नहीं है क्योंकि यह बाजारों की व्यवस्था बिगाड़ देगा।

जिस तरह से तीन कथित काले कृषि कानून पेश किए गए और फिर संसद के जरिये पारित किए गए, उससे भी किसान समुदाय नाराज है। लंबे समय तक चले विरोध के बाद आखिरकार कानूनों को वापस ले लिया गया। लेकिन अभी भी पिछले दरवाजे से इन कानूनों को वापस लाने की कोशिश की जा रही है। इससे भी बदतर, नई दिल्ली तक किसानों के मार्च को रोकने के लिए हाईवे की किलेबंदी के हालिया प्रयास, और आंदोलनकारी किसानों पर आंसू गैस के गोले फेंकने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करने से किसानों की पीड़ा बढ़ गयी है। गांवों में नेताओं की एंट्री रोककर किसान समूहों द्वारा की गयी प्रतिक्रिया उनके साथ हो रहे अनुचित व्यवहार पर बढ़ते आक्रोश का प्रतिबिंब है।

जबकि चुनाव प्रचार अभियान के लिए आने वाले उम्मीदवारों से सवाल करना एक वैध लोकतांत्रिक तरीका है लेकिन इसके लिए बलप्रयोग का निश्चित तौर पर समर्थन नहीं करना चाहिये। किसानों को ही अकेले दोषी नहीं ठहराया जा सकता है जब सरकार ने भी जुलूस के रूप में नयी दिल्ली जा रहे किसानों के रास्ते में बैरिकेड लगा दिये थे। यह केवल भारत में ही है कि किसानों को हरियाणा के बॉर्डर्स पर बलपूर्वक रोका गया जबकि यूरोप के 24 देशों में आंदोलनरत किसानों को राजधानियों तक बिना किसी रोक-टोक जाने की अनुमति दी गयी। किसानों द्वारा आधिकारिक इमारतों पर खाद बिखेरने और हाईवे पर कीचड़ डालने के बावजूद किसी जगह उन पर पुलिस बर्बरता करती नजर नहीं आई। यहां तक कि यूरोप में देश के प्रमुख भी आंदोलनकारी किसानों से मिले और सार्वजनिक तौर पर कहा कि किसानों को प्रदर्शन का अधिकार है, सुने जाने का हक है।

सैदपुर में रन फॉर एथिकल वोटिंग व मतदाता जागरूकता रैली को एसडीएम ने दिखाई झंडी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लोक सभा सामान्य निर्वाचन जनपद में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी के निर्देशन में चलाये जा रहे स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत विधान सभा सैदपुर के नगर क्षेत्र में विभिन्न विद्यालयों के छात्रों द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी रैली को उपजिलाधिकारी सैदपुर ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। जिसके अंतर्गत सैदपुर में रन फार इथिकल वोटिंग एवं गेम फेस्टिवल और मतदाता जागरूकता रैली के माध्यम से 01 जून को शत प्रतिशत मतदान करने के लिए जागरूक किया गया। रैली के उपरान्त टाउन नेशनल इण्टर कालेज के ग्राउण्ड में शिक्षा विभाग, राजस्व विभाग के लेखपाल, आईसीडीएस विभाग एवं अन्य अधिकारी /कर्मचारीयो द्वारा 100 मीटर की दौड़ लगाकर मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम के उपरान्त मतदाता जागरूकता की शपथ दिलायी गयी। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी सैदपुर, खण्ड शिक्षा अधिकारी सैदपुर, नायब तहसीलदार सैदपुर एवं अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम का शुभारंभ

दुबहर, बलिया। स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में भी मतदाताओं को जागरूक करने के कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी बलिया एवं स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी जिला विद्यालय निरीक्षक रमेश सिंह एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी मनीष सिंह के निर्देशन में सोमवार को स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम शहीद मंगल पांडेय के पैतृक गांव नगवा से शुरू किया गया । जिसमे शहीद मंगल पांडेय राजकीय महिला महाविद्यालय नगवा से क्षेत्र के दर्जनों विद्यालयों के बच्चों, शिक्षकों एवं अभिभावकों द्वारा मतदाता जागरुकता महारैली निकाली गई । जो पूरे क्षेत्र का भ्रमण करते हुए लोगों से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की । रैली का शुभारंभ दुबहर के खंड शिक्षा अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने फीता काट कर किया । रैली में कम्पोजिट विद्यालय नगवा, कन्या प्राथमिक विद्यालय नगवा, नगवा पश्चिमी,प्राथमिक विद्यालय दादा के छपरा, प्राथमिक विद्यालय अखार,प्राथमिक विद्यालय बंधुचक, प्राथमिक विद्यालय माधोमठ, जूनियर हाई स्कूल अखार,प्राथमिक विद्यालय बालक एवं बालिका शिवपुर दियर नई बस्ती, शहीद मंगल पांडेय इंटर कॉलेज नगवा तथा डिग्री कॉलेज के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे । इस मौके पर शहीद मंगल पांडेय राजकीय महिला महाविद्यालय के प्राचार्य राजेश्वर कुमार,स्वीप कार्यक्रम के नवरत्न डॉ इफ्तेखार खान, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष जितेंद्र सिंह, जिला मंत्री डॉ राजेश पांडेय,ब्लॉक अध्यक्ष अजीत पांडेय,ब्लॉक मंत्री समरजीत बहादुर सिंह, विद्यासागर गुप्ता, राजेश कुमार पाण्डे,अखिलेश प्रताप सिंह,गणेश जी सिंह, धीरेंद्र शुक्ला, अजहर हुसैन, असीमानंद सिंह, माद्री सिंह,डॉ अब्दुल अव्वल, डा रजनीकांत तिवारी, अरुण कुमार,व्यायाम शिक्षक एवं रैली प्रभारी पंकज सिंह, मोहम्मद कैश,राजकुमार गुप्ता, रणजीत सिंह, प्रधान प्रतिनिधि भुवनेश्वर पासवान, सहित लोग उपस्थित रहे।

पंच कुंडीय अद्वैत शिव शक्ति महायज्ञ एवं हनुमान जन्मोत्सव समारोह का आयोजन

बिल्थरारोड (बलिया)। सर्वेश्वर मानस मंदिर चौकिया मोड़ के बैनर तले पंच कुंडीय अद्वैत शिव शक्ति महायज्ञ एवं हनुमान जन्मोत्सव समारोह आयोजन के मौके पर प्रथम दिन सोमवार की प्रातः कलश यात्रा निकाली गई। जो यज्ञ स्थल से पिपरौली मार्ग होकर बेल्थरा बाजार स्थित घाघरा नदी से कलश में जल भरकर भक्त पुनः यज्ञ स्थल की ओर रवाना हो गई। इस विधि के दौरान घाघरा नदी के तट पर यज्ञाचार्य पंडित रेवती रमन तिवारी द्वारा यज्ञ के यजमानों को शरीर शुद्धि तथा आत्म शुद्धि के लिए प्रायश्चित तथा वरुण पूजन करके कलश में जल भरने का कार्य प्रारंभ कराया। तत्पश्चात वापसी में यज्ञ स्थल की परिक्रमा करके सभी कलशो को यज्ञ मण्डप में स्थापित किया गया। इस जल कलश यात्रा में हाथी, घोड़े, ऊंट, बैंड बाजे, झंडा, बैनर आदि के साथ पीले वस्त्र में हजारों की संख्या में नर नारियों ने कलश लेकर गगन भेदी भगवान के नारे लगाते बेल्थरा बाजार की तरफ रवाना हुए थे। घाघरा नदी के तट पर लगभग 1 घंटे तक पूजन विधि की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भक्त कलश में जलभर कर करीम गंज, उभांव मार्ग से यज्ञ स्थल पहुंचे। जल कलश यात्रा के दौरान भीषण गर्मी से निजात पाने के लिए शर्बत एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुलभ कराई गई थी।

मीडिया के पेड न्यूज, विज्ञापनों की जांच के लिए गठित कमेटी का हुआ प्रशिक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लोक सभा सामान्य निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत प्रिंट मीडिया/इलेक्ट्रानिक मीडिया /सोशल मीडिया में पेड न्यूज, विज्ञापन, जॉच के मॉपदण्ड मे सहयोग हेतु जिला स्तर पर गठित समिति में निर्वाचन कार्य की महत्ता को देखते हुए कार्मिको को तैनात किया गया है। तैनात कार्मिको का प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को प्रभारी अधिकारी मीडिया व जिला सूचना अधिकारी राकेश कुमार के अध्यक्षता में एमसी कक्ष मे सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम मे उन्होने प्रिंट मीडिया/ इलेक्ट्रानिक मीडिया /सोशल मीडिया में विज्ञापन एवं पेड न्यूज, के सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए कार्मिको को प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में धनंजय कुमार प्रजापति कम्प्यूटर आपरेटर सूचना विभाग, आमिर अंसारी लेखाकार्य एवं संदीप सरोज अनुसेवक सूचना विभाग,

राजकुमार राम तकनीकी सहायक, विकास खण्ड सदर -210, संजय कुमार वर्मा तकनीकी सहायक, विकास खण्ड सदर-210, राम बचन सिंह तकनीकी सहायक विकास खण्ड सदर-210, श्री रामराज कुशवाहा तकनीकी सहायक विकास खण्ड करण्डा-221, संजय सिंह तकनीकी सहायक विकास खण्ड करण्डा-221, आनंद कुमार सिंह (संविदा) तकनीकी सहायक विकास खण्ड बिरनों-209, रामभवन यादव, तकनीकी सहायक विकास खण्ड बिरनों-209, पवन कुमार वर्मा, लेखा सहायक विकास खण्ड बिरनों-209,अखिलेश कुमार सिंह लेखा सहायक विकास खण्ड करण्डा-221 उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान विजय कुमार तकनीकी सहायक विकास खण्ड करण्डा द्वारा प्रशिक्षण में अनुपस्थित होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया।

नव संपत के प्रथम मास में पड़ने वाली वासंतिक नवरात्रि का विशेष महत्व है : स्वामी भवानी नन्दन यति

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वासंतिक नवरात्र के शुभ अवसर पर अति प्राचीन मां काली धाम परिसर हरिहरपुर में शत चण्डी महायज्ञ, वैदिक धमार्चार्यों के मंत्रोच्चार एवं हवन पूजन के बीच विधि विधान से सम्पादित हो रहा है। वैदिक मंत्रोच्चार व हवन पूजन की सुगंध से पूरा क्षेत्र भक्ति भाव से ओतप्रोत है। प्रातः काल से ही श्रद्धालु जन मंदिर में स्थापित माता की तीनों मूर्तियां का पूजन अर्चन तथा यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर अपने को धन्य कर रहे हैं। प्रसिद्ध सिद्धपीठ हथियाराम मठ की शाखा के रूप में संचालित इस पवित्र धाम पर,प्रसिद्ध सिद्धपीठ हथियाराम मठ के पीठाठाधीश्वर व जूना अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी श्री भवानीनंदन यति जी महाराज के निर्देशन में सम्पादित हो रहे महायज्ञ के मुख्य यजमान अस्ट्रेलिया में रहे प्रसिद्ध अस्थि विशेषज्ञ डॉक्टर सतीश गोयल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती विद्या गोयल इस महायज्ञ के मुख्य यजमान हैं। वासंतिक नवरात्र की सप्तमी के शुभ अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी श्री भवानीनंदन यति जी महाराज ने हरिहरात्मक पूजनोंपरांतमं दिर की

प्राचीनता का उल्लेख करते हुए महाराज श्री ने कहा किअयोध्या में नवनिर्मित भव्य श्रीराम मंदिर की ही तरह हरिहरपुर के इस काली धाम में भी मां काली का दिव्य मंदिर बनेगा। खड़बा क्षेत्र के गांवों की कुल देवी का यह जागृत मन्दिर हजारो वर्ष प्राचीन है। इस मंदिर को नवीन रूप दिए जाने की कार्य योजना अब अंतिम चरण में है। मंत्रों में स्थित शक्तियों का वर्णन करते हुए महाराज श्री ने कहा कि सनातन धर्म में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का पूजन किया जाता है जिसने विश्व की संरचना की है और वर्तमान युग में वैज्ञानिक समस्त सृष्टि को न्यूट्रान, प्रोट्रान और इलेक्ट्रान से संचालित मानते हैं। उन्होने कहा कि सनातनी परम्परा में मंत्र की असीम शक्तियों का वर्णन है। मंत्र की साधना से आज भी असंभव कार्य संभव हो सकते हैं और आपकी इच्छा की पूर्ति हो सकती है। मंत्र के बल पर ही महाराजा दशरथ ने श्रीराम जैसा पुत्र प्राप्त किया। श्रीराम जैसा पुत्र आज तक दूसरा नहीं हुआ। धन वैभव प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि श्री शुक्त स्त्रोत के एक करोड़ बार जाप करने से व्यक्ति को कभी धन सम्पदा की कमी नहीं हो सकती। अपने को पूर्ण सन्यासी बताते हुए कहा कि मैं सन्यासी परम्परा के लिए निर्धारित नियमावली के अनुरूप जीवन यापन करता हूं। मैं अत्यंत भाग्यशाली हूं कि गाजीपुर मेरी कर्मस्थली हैं। उन्होने चुनौती पूर्ण शब्दों में कहा कि सरकार मुझे कोई भी मुश्किल काम सौंप दें, मैं मंत्र के बल पर सफलता पूर्वक पूर्ण करुंगा। कहा कि देश की सुख-समृद्धि के लिए मैं सदैव नवरात्र में मां काली का पूजन-अर्चन करता हूं इससे जीवन में नयी चेतना का संचार होता है। उल्लेखनीय है कि नव सम्वत के प्रथम माह चैत्र में पड़ने वाली बासंतिक नवरात्र का जीवन में विशेष महत्व होता है।

कंपोजिट विद्यालय जनऊपुर पर नहीं हो सका उजाले का इंतजाम, कैसे होगें चुनाव

रतसर (बलिया)। लोकसभा चुनाव की घोषणा होते ही सारी प्रक्रिया पूरी करने को शासन व प्रशासन कटिबद्ध है। कोई भी चूक न होने पाए इसको दृष्टिगत रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करने में जुटे हैं। हालांकि बड़ी संख्या में ऐसे स्कूलों को मतदान केन्द्र बनाया गया है,जहां अभी तक बिजली कनेक्शन नही है। जाहिर है कि अनदेखी की गई तो मतदान वाले दिन परेशानी से जूझना तय है। गड़वार शिक्षा क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय जनऊपुर पर विद्युतीकरण नहीं हुआ है। साथ ही इस दिशा में कोई ठोस कदम उठाने की कोई जहमत नहीं उठाई गई है। जबकि जहां पोलिंग बूथ बनाए जाते है उनका पहले निरीक्षण कर लिया जाता है। कम्पोजिट विद्यालय पर मतदान के लिए दो बूथ बनाए गए है जहां पर लगभग दो हजार मतदाता है। हालांकि यह बात अलग है कि आला अधिकारियों द्वारा पहले ही दिशा निर्देश दिए जा चुके है कि पोलिंग बूथों पर किसी तरह की कमी नही रहनी चाहिए फिर क्यों अभी तक विद्युत विहीन पोलिंग बूथों पर उजाले का इंतजाम नही किया गया है।

ज़िला निर्वाचन अधिकारी ने किया स्ट्रांग रूम व मतगणना स्थल का स्थलीय निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लोक सभा सामान्य निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी ने जंगीपुर मण्डी में बनाये गये स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर साफ -सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्ट्रांग रूम की साफ- सफाई एव टूटे फूटे की मरम्मत न होने पर मण्डी सचिव पर नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल ससमय टूटे फूटे की मरम्मत एव साफ सफाई कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होने समस्त विधानसभा क्षेत्र के उपजिलाधिकारी को निर्देशित किया आप अपने - अपने स्ट्रांग रूम की साफ-सफाई 30 अप्रैल तक करा ले। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी व/उप जिला निर्वाचन अधिकारी, उपजिलाधिकारी सदर, उपजिलाधिकारी मुहम्मदाबाद, तहसीलदार सदर, मण्डी सचिव, एवं निर्वाचन के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

गोविंदपुर कीरत ग्राम में मनाई गई प्रियदर्शी सम्राट अशोक की जयंती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मरदह थाना क्षेत्र के गोविंदपुर कीरत ग्राम सभा में बौद्ध कल्याणकारी महिला उत्थान ट्रस्ट एवम् यूनाइटेड मीडिया पत्रकार एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को में सम्राट अशोक की जन्म जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उमाशंकर कुशवाहा पूर्व विधायक रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन शास्त्री इंटर कॉलेज के सहायक अध्यापक मनोज सिंह ने कैंडल जलाकर सम्राट अशोक के चित्र पर संयुक्त रूप से पुष्प अर्पित करते हुए, मुख्य अतिथि उमाशंकर कुशवाहा ने सम्राट अशोक के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सम्राट अशोक ही भारत के सबसे शक्तिशाली एवं महान सम्राट है। सम्राट अशोक को 'चक्रवर्ती सम्राट अशोक' कहा जाता है। जिसका अर्थ है 'सम्राटों के सम्राट', और यह स्थान भारत में केवल सम्राट अशोक को मिला है। सम्राट अशोक को अपने विस्तृत साम्राज्य से बेहतर कुशल प्रशासन तथा बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए भी जाना जाता है।समाज सेवी राजकुमार मौर्य अपने वक्तव्य में कहा कि सम्राट अशोक के द्वारा बताए गए रास्ते पर चलकर लोक कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया जा सकता है। समता मूलक समाज की स्थापना करने के लिए हम सबको सर्व समाज हित में हो रहे अन्याय को सहन नहीं करना चाहिए और लोगों को अपनी लड़ाई लड़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। सम्राट अशोक भी युद्ध त्यागने के बाद यही विचार को लेकर धर्म की तरफ अग्रेषित हुए थे। सम्राट अशोक के शासनकाल में लोक कल्याणकारी योजनाओं की भरमार थी, और जनकल्याण के लिए उसने चिकित्यालय, पाठशाला तथा सड़कों आदि का निर्माण करवाया। उसने बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए धर्म प्रचारकों को नेपाल, श्रीलंका, अफगानिस्तान, सीरिया, मिस्त्र

तथा यूनान भी भेजा। इसी कार्य के लिए उसने अपने पुत्र महेंद्र एवं पुत्री संघमित्रा को भी यात्राओं पर भेजा था। विश्व के सबसे विनाशकारी युद्ध के बाद अशोक का हुआ था, हृदय परिवर्तन। अशोक के तेरहवें अभिलेख के अनुसार उसने अपने राज्याभिषेक के आठ वर्ष बाद कलिंग युद्ध लड़ा और गिरनार के आठवें शिला अभिलेख के अनुसार वो 10वे वर्ष संघ में शामिल हो गए। यह युद्ध 262-261ईशा पूर्व मे लड़ा गया इसमें सम्राट अशोक विजयी हुवे। सम्राट अशोक द्वारा आरंभिक कलिंग युद्ध में लाखों कलिंग सैनिकों की मौत हो गई, जिससे अशोक महान को पछतावा हुआ, हालांकि उसने कलिंग को जीत लिया। भारी रक्तपात देखकर उनका हृदय परिवर्तित हो गया युद्ध त्याग कर बुद्ध की ओर बढ़ चले 'धमाशोक' बन गया। धर्म को अपनाया और शांति और अहिंसा का संदेश कलिंग युद्ध से पहले मौर्य साम्राज्य का विस्तार कलिंग युद्ध के बाद मौर्य साम्राज्य का विस्तार अशोक महान के राज्याभिषेक के 8वें वर्ष 268 ईसा पूर्व एक लाख कलिंग सैनिक मारे गए, एक लाख पचास हजार कलिंग सैनिक निर्वासित किए गए। आंकड़े अशोक द्वारा दिए गए 13वे शिलालेख में जौगड़ उड़ीसा के 'गंजाम ज़िले' में स्थित है। जहाँ से मौर्य सम्राट अशोक के 'चतुर्दश शिलालेख' प्राप्त हुए हैं। इन शिलालेखों को 'ग्यारहवें और तेरहवें लेखों' के स्थान के नाम से भी जाना जाता है जो कलिंग युद्ध के पश्चात सम्राट अशोक द्वारा लिखवाए गए। सम्राट अशोक के जयंती कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथि मुनेश्वर सागर, शैलेश राम, राकेश यादव जिला मंत्री भाजपा, और कार्यक्रम का आयोजन बौद्ध कल्याणकारी महिला उत्थान ट्रस्ट के संस्थापक राजकुमार मौर्य, नेट कंप्यूटर के संचालक अनिल कुमार मौर्य द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर वीरेंद्र कुशवाहा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोविंदपुर ग्राम सभा के दो बार ग्राम प्रधान रहे। रामावतार यादव के द्वारा कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए। अनिल कुमार मौर्य ने बताया कि सम्राट अशोक सभी वर्गों के लिए प्रेरणा के स्त्रोत है। सहयोगी संस्थान के रूप में यूनाइटेड मीडिया पत्रकार संगठन के संस्थापक उपेन्द्र यादव, प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह, कृपा शंकर यादव, राहुल सिंह, बसपा के जिला महासचिव अखिलेश्वर कुशवाहा, धनंजय कुशवाहा, विशाल मौर्य, राजेंद्र कुशवाहा, भोला राजभर, अरुण वर्मा, जयप्रकाश कुशवाहा, शहीद हरेंद्र कुशवाहा के भाई सुनील कुशवाहा, एम एम बालिका महाविद्यालय के प्रबंधक सुनील कुशवाहा, रमेश कुमार जय हिंद, विनय कुमार आदि लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

संक्षिप्त खबरें

डा0 विजयानन्द ने बढ़ाया जिले का सम्मान, बने वैश्विक हिंदी महासभा के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष

गाजीपुर। हिंदी के चर्चित साहित्यकार एवं जिले के मूल निवासी डॉ०विजयानन्द को वैश्विक हिंदी महासभा की अंतरराष्ट्रीय समिति का अध्यक्ष चुना गया है। उनके अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर जिले उपदेश के साहित्यकारों ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। उल्लेखनीय है कि हिंदी यूनिवर्स फाउंडेशन, नीदरलैंड के सभागार में डॉ० विश्वास दुबे की अध्यक्षता में विश्वभर के सक्रिय हिंदी सेवियों द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय समिति का गठन सम्पन्न हुआ। इसके साथ ही नीदरलैंड के सुपरिचित साहित्यकार प्रो० पुष्पिता अवस्थी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा डॉ०इंद्रदेव भोला इन्द्रनाथ मॉरीशस , प्रो० संजीता वर्मा, नेपाल एवं शशि महाजन, नाइजीरिया को उपाध्यक्ष बनाया गया। डॉ ०विवेकमणि त्रिपाठी, चीन को महामंत्री, प्रो०शिवकुमार सिंह, पुर्तगाल को संयुक्त मंत्री, डॉ०धर्मयश, इंडोनेशिया को संगठन मंत्री और डॉ०भुवनदत्त,फिजी, डॉ० दरीगा कोकऐवा, कजाकिस्तान, डॉ०विनोद पांडेय , जापान, विवेक उमराव,ऑस्ट्रेलिया को मंत्री, घोषित किया गया । डॉ०कादंबरी मेहरा, ब्रिटेन को सांस्कृतिक मंत्री, अभिषेक त्रिपाठी, ब्रिटेन को संचार (मीडिया) मंत्री, रमा शर्मा, जापान को प्रचार मंत्री, डॉ०ईरीना, सोवियत रूस को कार्यक्रम समन्वय मंत्री एवं राकेश तिवारी, भारत को कोषाध्यक्ष नामित किया गया। विवेकमणि त्रिपाठी अंतरराष्ट्रीय महामंत्री(चीन) के अनुसार, सर्वसम्मति से पारित इस प्रस्ताव के उपरांत सभी हिंदी सेवियों से अपेक्षा की गई कि वैश्विक स्तर पर हिंदी को स्थापित करने के लिए भारतीय तथा विदेशी भाषाओं के अनुवाद सेतु हेतु विभिन्न कार्यक्रमों, माह के अंतिम रविवार को रात 8:30 बजे नियमित आभासीय (ऑनलाइन) किए जायेंगे। कार्यक्रमों एवं भाषाई समन्वय हेतु त्रैमासिक पत्रिका के प्रकाशन पर भी विचार किया जाएगा।

सपा प्रत्याशी का पिंडरा विस में हुआ भव्य स्वागत

पिंडरा। मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र से पीडीए की संयुक्त व सपा प्रत्याशी प्रिया सरोज के प्रथम पिंडरा विस क्षेत्र में आने पर पीडीए के कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया। सपा से प्रत्याशी घोषित होने के बाद पहुचने पर मंगलवार को करखियाव गेट पर सुबह साढ़े 9 बजे कार्यकताओं ने माला व फूलों से भव्य स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए प्रिया सरोज ने भाजपा पर तीखा प्रहार करते हुए कहाकि कार्यकर्ताओ को एकजुट होकर जनता के भाजपा के गलत नीतियों का पहुचाने का काम करना होगा। क्योंकि संविधान खतरे में है।वही स्वागत करने वालो में अखिल भारतीय गोंड समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्रीनाथ गोंड, ग्राम प्रधान रविन्द्र यादव, पूर्व ग्राम प्रधान छन्नू यादव,कैलाश मिश्रा, दीनानाथ पाल, लालजी राजभर, निहाला पाल, नखड़ू पटेल समेत दर्जनों कार्यकर्ता विभिन्न दलों के रहे।

सनातन धर्म को ऊँचाई दे रहे है विजय बहादुर

पिंडरा। सिंधोरा क्षेत्र के ग्राम पंचायत सराय शेख लॉर्ड के विजय बहादुर वर्मा पुत्र बच्चन प्रसाद वर्मा नीलकंठेस्वर शिव मंदिर पर प्रतिदिन दो घण्टे का अपना समय देकर लगभग पांच लाख से अधिक बार सीताराम सीताराम लिखकर क्षेत्र में सीताराम के नाम से प्रसिद्ध हो गए हैं। एक राम भक्त एवं हिंदुत्ववादी बनकर उभरे विजय बहादुर के राम सीता के परमभक्त है। सभी लोगों को आस्था के प्रति जागरूक करने में हमेशा आगे रहते हैं। इनका ढोलक, हरमुनिया और बासुरी बजाने का तरीका एक अलग ही अंदाज में रहता है। सुनने वाले मनमुग्ध होकर आनंदित हो जाते है। इनके प्रस्तुति में इनके और इनके शिष्यों के द्वारा अच्छे स्वर में रामायण का पाठ भी बहुत से मंदिरों में और नव निर्मित घरों में कराया गया हैं। यही नही श्याम बहादुर, छोटेलाल, धनंजय, अवधेश,अशोक, राकेश,संजय, डब्बू, प्रकाश, सुरेंद्र , बीरबहादुर,आकाश शिष्य के रूप रामायण मंडली में रहते है।

नवरात्रि पर्व के मद्देनजर खाद्य विभाग ने चलाया अभियान 3 नमूने जांच के लिए किया संग्रहित

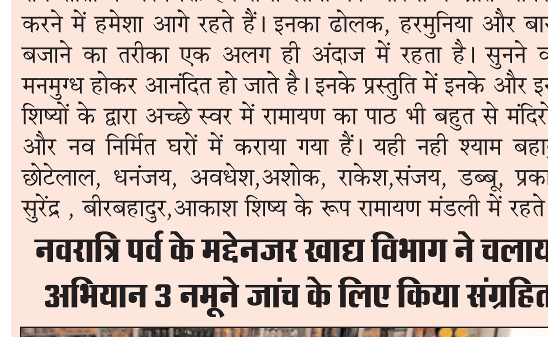

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ0प्र0, लखनऊ एवं जिलाधिकारी आर्यका अखौरी गाजीपुर के आदेश पर डॉ0 दिनेश कुमार अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गाजीपुर/आर0सी0 पाण्डेय सहायक आयुक्त (खाद्य)-ण्ण गाजीपुर के निर्देशन में जनपद में मंगलवार को आगामी चैत्र नवरात्र पर्व पर मिलावटी एवं पेय पदार्थों के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम हेतु विशेषकर नवरात्र के अवसर पर तैयार होने वाले भोग/प्रसाद, सिंघाडे का आटा, कुट्टू का आटा व फलाहार की गुणवत्ता सुनिश्चित कराये जाने हेतु अभिसूचना आधारित प्रभावी प्रवर्तन/विशेष अभियान चलाकर कुल 03 नमूना संग्रहित किया गया, जिसका विस्तृत विवरण निम्नवत है। दिनांक 16 अप्रैल 24 को विठ्ठल चौराहा मुहम्मदाबाद गाजीपुर स्थित शशिकान्त गुप्ता के प्रतिष्ठान से साबूदाना का 01 नमूना, युसुफपुरगंज मुहम्मदाबाद गाजीपुर स्थित प्रतिष्ठान गोकुल डेयरी से पनीर का 01 नमूना, शास्त्रीनगर चौराहा गाजीपुर स्थित प्रतिष्ठान अमूल मिल्क पार्लर से फुलक्रीम मिल्क (अमूल ब्राण्ड) का 01 नमूना। संग्रहित नमूनें खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला, उ0प्र0 प्रेषित किये जा रहें है, जॉच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही की जायेगी। नमूना संग्रह की कार्यवाही आर0पी0 सिंह मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों अवधेश कुमार, राजीव कुमार सिंह, समला प्रसाद यादव तथा शिवकुमार पटेल बहुउद्देशीय कार्मिक की टीम द्वारा की गयी।

भीषण गर्मी की चपेट में ऑस्ट्रेलिया

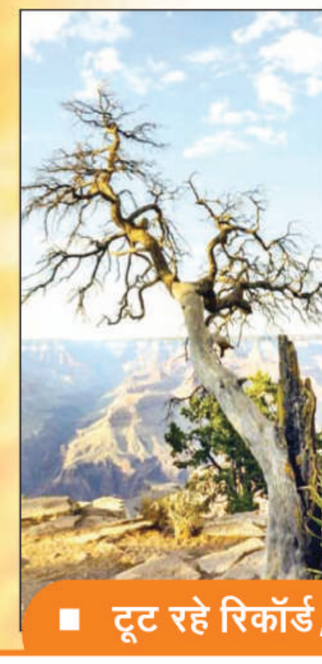

सिडनी (द कन्वरसेशन)। आस्ट्रेलिया में पिछले छह महीने रिकॉर्ड पर सबसे शुष्क रहे हैं और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया रिकॉर्ड पर अपनी सबसे गर्म गर्मी से गुज़रा। यह रिकॉर्ड अपने आप में उल्लेखनीय हैं, लेकिन इन रिकॉड्र्स के और भी खराब परिणाम सामने आ रहे हैं। हमारी तरह, पेड़ और झाड़ियाँ गर्मी और शुष्कता से बच नही सकते। जब हम एयर कंडीशनिग चालू करते हैं, तो वनस्पतियां और पेड़ पौधे बदलती जलवायु का पूरा खामियाजा भुगतते हैं। हमारे शोध से पता चला है कि पौधे हीटवेव के प्रति जितना हमने सोचा था उससे कहीं अधिक संवेदनशील होते हैं। 2010-11 में भी ऐसा हुआ था, जब प्रभावित क्षेत्रों में लगभग 20% पेड़ और झाड़ियाँ मर गई थीं।

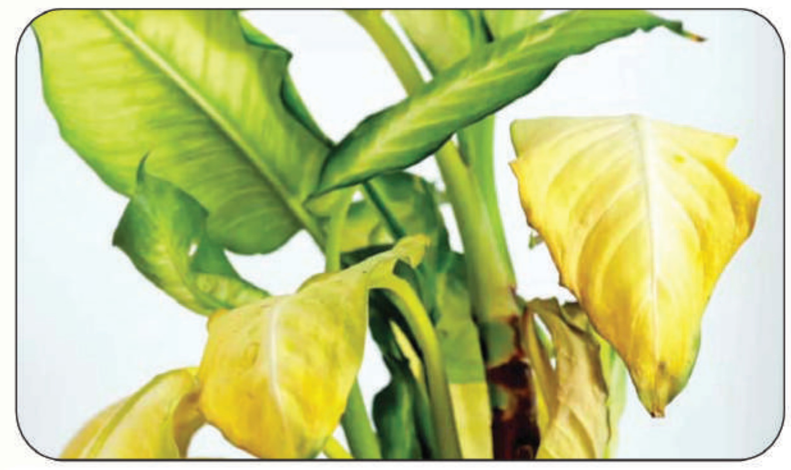

कौन से पेड़ और झाड़ियाँ मर रहे हैं और कहाँ?

पश्चिमी तट के क्षेत्रों में जहां यह सबसे गर्म था, मृत या मरने वाले पौधों के क्षेत्र बड़े है, जबकि दक्षिण में जंगलों में, क्षति अब तक मृत पेड़ों और पेड़ों की सिकुड़ते क्षेत्र तक ही सीमित है। वर्तमान में, ऐसा प्रतीत होता है कि गर्मी से उथली मिट्टी पर और उसके आसपास के पौधे प्रभावित हुए है, जिनमें ग्रेनाइट आउटक्रॉप्स और तटीय हीथ के पास के पेड़ भी शामिल है। फरवरी की गर्मी की लहरों ने सीधे तौर पर कुछ पौधों को मार डाला, संभावना है कि लंबी, शुष्क अवधि ने बाकी काम पूरा कर दिया। पिछले सप्ताह कुछ छिटपुट बारिश के बावजूद, मई तक पर्याप्त बारिश का अनुमान नही है। इसकी संभावना है कि अधिक क्षेत्र प्रभावित होंगे, जिनमें दक्षिण में हमारे प्रतिष्ठित आर्द्र वन भी शामिल है।

कितनी गर्मी हो गई है?

इस गर्मी में पर्थ ने एक बार फिर तापमान के रिकॉर्ड तोड़ दिए, 2024 में अब तक तेरह दिनों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। अप्रैल में भी, दिन का तापमान 37 डिग्री सेल्सियस था। यह पिछले साल की वसंत गर्मी की लहरों के बाद आया है, जिसने सितम्बर और नवम्बर दोनों महीनों में मासिक अधिकतम और न्यूनतम तापमान के रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। जब ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट के अधिकांश हिस्से में पर्याप्त से अधिक बारिश हुई, पश्चिम में काफी हद तक बारिश नहीं हुई। घटती हुई वर्षा ऐतिहासिक रूप से अधिक नमी वाले दक्षिण पश्चिम क्षेत्र को सबसे अधिक प्रभावित करेगी।

यह कितना बुरा था है

बहुत बुरा। क्षेत्र के प्रभावित भागों में औसतन 19% पेड़ और झाड़ियाँ नष्ट हो गई, जबकि दक्षिण-पश्चिम के जंगलों में लगभग 16,000 हेक्टेयर हरियाली नष्ट हो गई, जो लगभग 1.5% जंगल है। जब जंगल ख़त्म होते हैं, तो इसका प्रभाव पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ता है। जलवायु परिवर्तन से दुनिया लगातार गर्म हो रही है। पिछला साल रिकॉर्ड के अनुसार सबसे गर्म था, जो तापमान पूर्वानुमानों से कही बढ़कर था।

हम क्या कर सकते हैं?

हमारे पेड़ और झाड़ियाँ तब तक भूरी और मरती रहेंगी जब तक हमें पर्याप्त बारिश नहीं मिलती। इसका मतलब यह है कि यह बताने का कोई तरीका नहीं है कि हमारी असाधारण वन और झाड़ीदार प्रजातियों को कब उबरने का अवसर मिलेगा। पर नज़र रखने की ज़रूरत है।

■ टूट रहे रिकॉर्ड, कई इलाकों में सूखा ■ पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में जंगल और झाड़ियाँ मर रही हैं

प्रसिद्ध शक्तिपीठ है मां मंगलागौरी मंदिर

पटना (वार्ता)। बिहार में गया शहर स्थित मां मंगलागौरी मंदिर के बारे में मान्यता है कि यहां पूजा करने वाले भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है। बिहार के बोधगया मार्ग स्थित भस्म कूट पर्वत पर मां मंगला गौरी का प्रसिद्ध शक्तिपीठ मंदिर है। इस मंदिर परिसर में कई देवी-देवताओं की मूर्तियां है। शक्तिपीठ मां मंगला गौरी के मंदिर में नवरात्र के महीने में दूर-दराज से भक्त आते है और अपने परिवार की सुख, समृद्धि, शांति के लिए प्रार्थना करते है। मान्यता है कि नवरात्र में इस मंदिर में दर्शन करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव जब माता पार्वती के जलते शरीर को लेकर तांडव करते हुए आकाश मार्ग से चल पड़े, तब उनके रौद्र रूप को शांत करने के लिए भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र चलाकर मां पार्वती के शरीर के कई टुकड़े कर दिए। जहां-जहां माता पार्वती के शरीर के टुकड़े गिरे, वह स्थल शक्तिपीठ कहलाया। गया शहर के भस्मकूट पर्वत पर माता सती का वक्षस्थल गिरा, जो मंगला गौरी शक्ति पीठ के रूप में जाना जाता है। मां मंगलागौरी मंदिर में सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं की भीड़ हर मंगलवार को लगती है लेकिन नवरात्र के दौरान दिन भर काफी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। मंदिर के अंदर कई वर्षो से अखंड ज्योति जल रही है, जिसके दर्शन कर श्रद्धालु पूजा-पाठ करते है।

सिद्धार्थ से मिलने से पहले शादी के बारे में नहीं सोचा था विद्या बालन

नई दिल्ली (आईएएनएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन ने एक आदर्श रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने पति सिद्धार्थ रॉय कपूर से मिलने से पहले कभी शादी के बारे में नहीं सोचा था। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और पद्मश्री से सम्मानित मशहूर एक्ट्रेस में से एक विद्या बालन ने 2012 में फिल्म निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर से शादी की थी। यह पूछे जाने पर कि उनके अनुसार, एक आदर्श रिश्ते का मंत्र क्या है, विद्या ने बताया, मुझे नहीं लगता कि कोई मंत्र है। कम से कम मुझे तो यह पता नहीं चला... मंत्र हर रिश्ते के लिए अनोखा होता है। कोई आपके कान में ये मंत्र नहीं बताएगा। हर रिश्ते का अपना एक अनोखा मंत्र होता है। रिश्तों को लेकर विद्या की क्या समझ विकसित हुई है पूछने पर उन्होंने कहा, शादी के 12 साल और डेटिंग के वर्षों के दौरान रिश्तों के बारे में मेरी समझ बदल गई है।

शादी के बारे में मेरी समझ बढ़ी है। मैं उनमें से नहीं हूं जिसने शादी से पहले उसके बारे में सोचा हो। उन्होंने आगे कहा, इन सालों ने मुझे सिखाया है, और मुझे यकीन है कि गुजरते समय के साथ मैं रिश्ते को समझना और विकसित करना जारी रखूंगी। हालांकि, विद्या ने रिश्ते को स्वस्थ रखने के लिए एक बात शेयर की। विद्या ने कहा, एक बात जो मैं निश्चित रूप से जानती हूं वह यह है कि किसी जोड़े के बीच रिश्ते में, चाहे वह विषमलैंगिक हो या समान-लिंग वाला हो, आप किसी तीसरे व्यक्ति को शामिल नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा, मेरा मतलब सिर्फ अफेयर से नहीं है, बल्कि किसी अन्य रिश्तेदार या दोस्त से भी है। ये रिश्ता सिर्फ दो लोगों के बीच का है।

एक नई सुबह में विकास मिश्रा के साथ जोड़ी जमाएंगी आम्रपाली दुबे

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे फिल्म 'एक नई सुबह' में विकास मिश्रा के साथ नजर आएंगी। जयेश इंटरनेशनल फिल्म्स के बैनर तले बन रही फिल्म 'एक नई सुबह' का मुहूर्त आजमगढ़ शहर के नजदीक एकरामपुर गांव में किया गया। इस अवसर पर सासंद-अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ, फिल्म के मुख्य अभिनेता विकास मिश्रा,अभिनेत्री आम्रपाली दुबे, अन्य कलाकार गिरीश शर्मा, गौरव कुमार झा, आयुष शर्मा, चंद्रकांत यादव, प्राची सिंह, रुचि, परी सिंघानिया, सुनीता जी, अनीता जी,निर्देशक रामवृक्ष गोंडनिर्माता आनंद सीताराम जाधव और डीओपी रॉकी सक्सेना उपस्थित रहे।

समुद्र में दुष्ट लहरें जितनी हम जानते हैं, उससे कहीं अधिक आम हैं

मेलबर्न (द कन्वरसेशन)। दुष्ट लहरें समुद्र की बहुत विशाल लहरें होती है - अपने आसपास की लहरों से दोगुनी ऊंची - जो कही से भी प्रकट होती है। दस मंजिला इमारतों जितने ऊँचे पानी के अकल्पनीय पहाड़ों की कहानियाँ सदियों से समुद्री लोककथाओं और साहित्य में व्याप्त है। हाल की तकनीक ने वैज्ञानिकों को समुद्र में लहरों का पता लगाने में सहायता दी है, जिससे किवदंती वास्तविकता बन गई है। पहला और सबसे प्रसिद्ध माप ड्रापनर लहर का था, जिसे 1 जनवरी 1995 को उत्तरी सागर में 25.6 मीटर का राक्षस कहा गया था। दुष्ट लहर के रिकॉर्ड में ऐसी कोई खास विशेषताएं शामिल नही होती है, जो इसे इसके चारों ओर के समुद्र को अलग करती है, इसलिए हम तुलना नहीं कर सकते है या इसके बनने के लिए जरूरी आवश्यक स्थितियों की भविष्यवाणी नही कर सकते है।

दुष्ट लहरें कैसे पैदा होती हैं?

समुद्री लहरों की बेतरतीब गतिविधियों में, बहुत से कारक इन दुष्ट लहरों को जन्म देते है। एक प्राथमिक स्रोत में एक ही स्थान और समय पर कई लहरों का एक के ऊपर एक बनना शामिल होता है। इसके परिणामस्वरूप संकेंद्रित ऊर्जा उत्पन्न होती है, जिससे लंबी तरंगें उत्पन्न होती है। हालांकि महासागर में लंबे और तीव्र तूफानों के दौरान भी लहरों का ओवरलैप न्यूनतम या अस्तित्वहीन हो सकता है। तेज हवाएं भी दुष्ट लहरों के विकास में योगदान करती है, क्योंकि वे पहले से ही ऊंची लहरों पर अधिक दबाव डालती है। हवा एक अराजक स्थिति पैदा करती है जहां विभिन्न आयामों और दिशाओं की लहरें एक साथ मौजूद होती है। विशाल लहरों के बनने के शुरुआती चरण के दौरान दुष्ट लहरों के साथ अद्वितीय समुद्री स्थितियाँ उत्पन्न हो सकती है - जब लहरें हवा के प्रति विशेष रूप से प्रतिक्रियाशील होती है। शक्तिशाली लहरें एक दूसरे को बढ़ाती है महासागर की लहरें पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली प्राकृतिक शक्तियों में से एक है और जलवायु परिवर्तन के कारण भविष्य में और भी अधिक शक्तिशाली हो सकती है।

वरुण ने पसंदीदा ट्रैक किया शेयर

मुंबई (आईएएनएस)। वरुण धवन ने अपना पसंदीदा बॉलीवुड ट्रैक शेयर किया है। आगामी फिल्म 'बेबी जॉन' में नजर आने वाले एक्टर वरुण धवन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने पसंदीदा बॉलीवुड गाने पर एक मीम शेयर किया। मीम में दो फ्रेम नजर आ रहे हैं। स्क्रीन के निचले हिस्से में सलमान खान अभिनीत फिल्म 'हैलो ब्रदर' के गाने 'चांदी की डाल पर' के दृश्य दिखाई दे रहे हैं। इस गाने को फिल्म में सलमान खान पर फिल्माया गया है और यह गाना जन्माष्टमी की पृष्ठभूमि पर आधारित है। हाल ही में वरुण ने मुंबई में पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ के संगीत कार्यक्रम में भाग लिया, जहां उन्हें अपनी 'भेड़िया' की सह-कलाकार कृति सेनन के साथ ट्रैक पर थिरकते देखा गया।

श्रीकांत का गाना तू मिल गया रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव की आने वाली फिल्म 'श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने' का गाना 'तू मिल गया' रिलीज हो गया है। टी-सीरीज फिल्म्स और चॉक एन चीज फिल्म्स के बैनर तले तुषार हीरानंदानी द्वारा निर्देशित फिल्म 'श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने' में राजकुमार राव की मुख्य भूमिका है। यह फिल्म इस साल अक्षय तृतीया के शुभ अवसर 10 मई को रिलीज होने के लिए तैयार है।

फिल्म अक्षरा का गाना 'हंसी के खजाना' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह की फिल्म अक्षरा का गाना 'हंसी के खजाना' रिलीज हो गया है। अक्षरा सिंह और गायिका ममता राउत का शिक्षा से भरपूर गीत 'हंसी के खजाना' यूट्यूब पर आ गया है। इस गाने में अक्षरा सिंह की अदाकारी और ममता राउत की आवाज है। गौरतलब है कि 'हंसी के खजाना' गाना फिल्म 'अक्षरा' का है। वर्ल्डवाइड चैनल और सबरंग फिल्म प्रोडक्शंस प्रस्तुत फिल्म 'अक्षरा' के निर्माता कुलदीप श्रीवास्तव, रत्नाकर कुमार हैं। निर्देशक देव पांडेय हैं। लेखक राकेश त्रिपाठी हैं।

सुष्मिता ने जीवन का मंत्र बताया 'डर को स्वीकार करना ही साहस है'

मुंबई (आईएएनएस)। 'आर्या 3' में अपने दमदार अभिनय से प्रशंसा हासिल करने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने डर से निपटने के तरीके पर बात की है। एक्ट्रेस और पूर्व मिस यूनिवर्स ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में कैमरे में देखते हुए अपनी एक डी-ग्लैम फोटो शेयर की है। सुष्मिता ने तस्वीर पर लिखा, साहस भय का अभाव नहीं है, दरअसल इसकी शुरुआत डर को स्वीकार करने से होती है। विपरीत परिस्थितियों में भी खड़े रहने के सुष्मिता सेन के हौसले की अक्सर तारीफ की जाती है। इससे पहले अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर शेयर किया था कि वह किसी चीज का पीछा नहीं करती बल्कि उसे अपनी ओर आकर्षित करती है और संभावनाओं, आशा, दया, प्रेम, कृतज्ञता और प्रचुरता को चुनती है। एक्ट्रेस को स्ट्रीमिंग सीरीज 'आर्या 3' की शूटिंग के दौरान दिल का दौरा पड़ा था, लेकिन वह पूरी तरह से ठीक होकर शूटिंग पूरी करने के लिए सेट पर लौट आई थीं।

'अमर सिंह चमकीला' की तारीफ से भावुक हुईं परिणीति

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के लिये मिल रही तारीफ से भावुक हो गई हैं। फिल्मकार इम्तियाज अली की फिल्म अमर सिंह चमकीला में दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा अहम भूमिका में हैं। 'अमर सिंह चमकीला' पंजाब के रॉकस्टार कहे जाने वाले अमर सिंह चमकीला पर आधारित है। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, अमर सिंह की भूमिका में हैं, जबकि परिणीति अमर सिंह की पत्नी अमरजोत कौर बनी हैं। फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के लिये मिल रही तारीफ से परिणीति चोपड़ा भावुक हैं। परिणीति चोपड़ा ने भावुक होकर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। पोस्ट में परिणीति चोपड़ा ने 'अमर सिंह चमकीला' के सेट की बीटीएस फोटो शेयर कर कैप्शन लिखकर बताया है कि उनके आंसू नहीं थम रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

पैनासोनिक के नए एसी

नई दिल्ली। पैनासोनिक लाइफ सोल्यूशंस इंडिया ने एयर कंडीशनर्स की नई रेंज जारी करने की घोषणा की। कंपनी ने 60 माडल्स में 1.0, 1.5 और 2.0 टन के एयरकंडीशनर्स पेश किए हैं। एयर कंडीशनर्स की यह नई रेंज सभी प्रमुख रिटेल आउटलेट्स, ई-कामर्स प्लेटफार्म्स और पैनासोनिक ब्रांड स्टोर पर उपलब्ध है। कंपनी के बिजनेस हेड अभिषेक वर्मा, ने कहा, 'हाल ही में उत्तर प्रदेश के उपभोक्ताओं के बीच कराई गई हमारी स्टडी में हमें एयरकंडीशनर के प्रयोग संबंधी लोगों की तरह-तरह की प्रमुख चिंताओं का पता चला है। हमे पूरे यूपी से इन्वर्टर एसी की मांग बढ़ने की उम्मीद है।

मलाबार का रिकार्ड बिजनेस

कोझिकोड। दुनिया के छठे सबसे बड़े आभूषण समूह और डेलायट की लक्जरी उत्पादों की वैश्विक रैंकिंग में 19वां स्थान हासिल करने वाले मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने पिछले वित्त वर्ष में 51,218 करोड़ रुपये के वार्षिक खुदरा वैश्विक कारोबार के साथ नई उपलब्धि हासिल करने का ऐलान किया है। मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एमपी अहमद ने कहा कि यह उल्लेखनीय वृद्धि दुनिया भर में एक विश्वसनीय आभूषण ब्रांड के रूप में मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के तेजी से उभार को दिखाती है। एक साल में 100 नए स्टोर की खोलने के लक्ष्य के साथ कंपनी की योजना अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में अपनी उपस्थिति मजबूत बनाना है।

पार्कसन्स का MI से करार

मुंबई। प्लेइंग काइर्स की तेज़ी से विकसित हो रही दुनिया में एक अग्रणी नाम पार्कसन्स कार्टामुंडी ने अग्रणी क्रिकेट टीम मुंबई इंडियंस के साथ एक करार की घोषणा की है। यह रोमांचक भागीदारी प्लेइंग काइर्स का एक सीमित संस्करण सीज़न 2024 कलेक्शन लाने जा रही है जो एमआई पलटन, क्रिकेट प्रशंसकों और शौकीनों को उनके पसंदीदा लीग स्टार्स के साथ इंटरैक्ट करने के अभिनव तरीके उपलब्ध कराता है। नए लांच के बारे में बात करते हुए कंपनी के सीईओ एवं एमडी कपिल केजरीवाल ने कहा, हम इस इंडस्ट्री में हमारी शानदार निर्माण और प्रिंटिंग क्षमताओं का लाभ उठाने के लिए संकल्पित।

ब्रिजस्टोन का नया टायर

नई दिल्ली। ब्रिजस्टोन इंडिया ने यात्री वाहन के लिए ब्रिजस्टोन टायर लांच किया। पैसेंजर रेडियल व्यवसाय में पहले घोषित विस्तार का परिणाम है। यह टायर विशेष रूप से भारतीय सड़कों के लिए विकसित किया गया है, जो बेहतर ईंधन दक्षता और टिकाऊपन के साथ प्रीमियम आरामदायक सवारी अनुभव प्रदान करता है, जो इसे ब्रिजस्टोन की ओर से एक संपूर्ण प्रीमियम पेशकश बनाता है। ब्रिजस्टोन 14 इंच से 20 इंच तक में उपलब्ध है। यह एसयूवी, सेडान, हैचबैक और सीयूवी को कवर करने वाले प्रीमियम वाहनों के लिए है। यह बात कंपनी के एमडी हिरोशी योशिज़ेन ने कही।

BMW का अच्छा प्रदर्शन

नई दिल्ली। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने 2024 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में शानदार व्यवसायिक प्रदर्शन दर्ज किया है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने 3680 कारें (बीएमडब्ल्यू और मिनी) और 1810 मोटरसाइकिलों (बीएमडब्ल्यू मोटोराड) डिलीवरी की। बीएमडब्ल्यू की 3510 यूनिट और मिनी की 170 यूनिट की बिक्री हुई। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने अपने स्पोर्ट्स ऐक्टिविटी व्हीकल, लक्ज़री क्लास और इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए ज्यादा मांग के दम पर क्यू 1 में खासी वृद्धि दर्ज की। कंपनी के प्रेसीडेंट विक्रम पावाह ने कहा कि, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने साल की पहली तिमाही में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है।

एवरेडी का नया टीवीसी

नई दिल्ली। एवरेडी इंडस्ट्रीज ने अपने नए ब्रांड एंबेसडर नीरज चोपड़ा के सहयोग से अपने बेहद सफल अल्टिमा एल्कलाइन बैटरी अभियान, 'खेलेंगे तो सीखेंगे' शुरू किया है। ब्रांड युवाओं के साथ अपना संबंध बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। एवरेडी नए युग के भारत के लिए लंबे समय तक चलने वाले, पैसे के बदले मूल्य वाले समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ये चीजें न केवल खुशी देती हैं बल्कि दोस्ती, साझाकरण और करुणा जैसे आवश्यक मूल्यों के सबक भी सिखाते हैं। टीवीसी में एक बच्चे को बैटरी से चलने वाले खिलौने 'जेवलिन मैन' के साथ खेलते हुए दिखाया गया है। यह जानकारी कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और एसबीयू प्रमुख, बैटरी और फ्लैशलाइट, अनिर्बन बनर्जी ने दी।(एजेंसियां)

प्रणब, चिदंबरम के वित्त मंत्री रहते समय आरबीआई पर रहता था दबाव : सुब्बाराव

■ आर्थिक वृद्धि की खुशनुमा तस्वीर पेश करने और ब्याज दरों में नरमी रखने के लिए रहता था वित्त मंत्रालय का दबाव

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर डी. सुब्बाराव ने अपने संस्मरण में कहा है कि प्रणब मुखर्जी और पी. चिदंबरम के वित्त मंत्री रहते समय वित्त मंत्रालय आरबीआई पर ब्याज दरें नरम करने और आर्थिक वृद्धि की खुशनुमा तस्वीर पेश करने के लिए दबाव डालता था।

सुब्बाराव ने हाल में प्रकाशित अपनी किताब 'जस्ट ए मर्सिनरी? : नोट्स फ्रॉम माई लाइफ एंड करियर' में यह भी लिखा है कि केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता के महत्व पर सरकार में 'थोड़ी समझ और संवेदनशीलता' ही है। उन्होंने किताब में कहा, 'सरकार और आरबीआई दोनों में रहने के बाद मैं तनिक अधिकार से कह सकता हूं कि केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता के महत्व पर सरकार के भीतर थोड़ी समझ और संवेदनशीलता ही है।'

सुब्बाराव ने 'सरकार का जय-जयकार करने वाला रिजर्व बैंक' शीर्षक अध्याय में कहा है कि सरकार का दबाव नीतिगत ब्याज दर पर रिजर्व बैंक के रुख तक ही सीमित नहीं था। उस समय सरकार ने आरबीआई पर वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन से इतर वृद्धि और मुद्रास्फीति के बारे में बेहतर अनुमान पेश करने के लिए दबाव डाला था।

उन्होंने कहा, 'मुझे प्रणब मुखर्जी के वित्त मंत्री रहते समय का ऐसा वाकया याद है। वित्त सचिव अरविंद मायाराम और मुख्य आर्थिक सलाहकार कौशिक बसु ने हमारे अनुमानों को अपनी धारणाओं और अनुमानों से चुनौती दी थी।' इसके अलावा रिजर्व बैंक को सरकार के साथ जिम्मेदारी साझा करने के लिए उच्च वृद्धि दर और कम मुद्रास्फीति दर का अनुमान पेश करने का सुझाव दिया गया। उन्होंने कहा, 'मायाराम ने एक बैठक में यहां तक कह दिया था कि 'जहां दुनिया में हर जगह सरकारें और केंद्रीय बैंक सहयोग कर रहे है, वहीं भारत में रिजर्व बैंक बहुत अड़ियल रुख अपना रहा है।'

सुब्बाराव ने कहा कि वह इस मांग से हमेशा असहज और नाखुश थे कि आरबीआई को सरकार के लिए 'चीयरलीडर' बनना चाहिए।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर के मुताबिक, उनकी स्पष्ट राय थी कि रिजर्व बैंक सिर्फ जनता की भावनाओं के लिए अपने सर्वोत्तम पेशेवर निर्णय से पीछे नहीं हट सकता। उन्होंने कहा, 'हमारे अनुमान हमारे नीतिगत रुख के अनुरूप होने चाहिए।

उन्होंने आरबीआई के नीतिगत रुख को लेकर चिदंबरम और मुखर्जी दोनों से अनबन होने की बात मानी है। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने हमेशा नरम दरों के लिए आरबीआई पर दबाव डाला लेकिन उनकी शैली अलग थी। सुब्बाराव ने लिखा, 'चिदंबरम ने आमतौर पर वकील की तरह अपने मामले की पैरवी की जबकि मुखर्जी एक बेहतरीन राजनेता थे।'

उन्होंने उस समय का भी जिक्र किया है जब मुखर्जी की जगह अक्टूबर, 2012 में चिदम्बरम दोबारा वित्त मंत्री बने थे। सुब्बाराव ने लिखा, 'चिदंबरम नरम मौद्रिक व्यवस्था चाहते थे और उन्होंने आरबीआई पर ब्याज दर कम करने के लिए भारी दबाव डाला। लेकिन मै अपने वस्तुनिष्ठ विचारों के चलते उनकी बात नहीं रख पाया।' इससे नाखुश चिदंबरम ने सार्वजनिक रूप से रिजर्व बैंक के रुख पर अपनी कड़ी असहमति जता दी थी। सुब्बाराव ने कहा, 'चिदंबरम ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि "वृद्धि भी मुद्रास्फीति जितनी ही चिंता का विषय है। अगर सरकार को वृद्धि की चुनौती का अकेले ही सामना करना है तो हम अकेले ही करेंगे।'

देश से वस्तुओं के निर्यात में मामूली कमी

नई दिल्ली (भाषा)।

देश का वस्तुओं का निर्यात भू-राजनीतिक तनाव की वजह से मार्च में मामूली रूप से घटकर 41.68 अरब डालर रह गया, जबकि 2023-24 के समूचे वित्त वर्ष में यह 3.11 प्रतिशत गिरकर 437.06 अरब डालर रहा।

वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से सोमवार को जारी व्यापार आंकड़ों के मुताबिक, मार्च के महीने में देश का आयात भी 5.98 प्रतिशत घटकर 57.28 अरब डालर रहा।

इस तरह वित्त वर्ष 2023-24 के अंतिम महीने में देश का व्यापार घाटा 15.6 अरब डालर का रहा। निर्यात और आयात आंकड़ों के बीच के अंतर को व्यापार घाटा कहा जाता है।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कुल आयात 677.24 अरब डॉलर रहा, जो वर्ष 2022-23 के 715.97 अरब डॉलर से 5.41 प्रतिशत कम है। इस दौरान देश का व्यापार घाटा 240.17 अरब डालर था। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने व्यापार आंकड़ों की जानकारी देते हुए कहा कि पश्चिम एशिया के हालात पर मंत्रालय की नजर बनी हुई है और उसके हिसाब से 'उचित कार्रवाई' की जाएगी।

बर्थवाल ने कहा कि देश से माल एवं सेवाओं का कुल निर्यात वर्ष 2022-23 के उच्चतम रिकार्ड स्तर से आगे निकलकर 776.68 अरब डालर हो जाने का अनुमान है। यह वित्त वर्ष 2022-23 में 776.40 अरब डालर रहा था।

उन्होंने कहा कि मार्च में 41.68 अरब डालर का वस्तु निर्यात हुआ जो बीते वित्त वर्ष में सबसे अधिक है। समूचे वित्त वर्ष में माल निर्यात वृद्धि इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, दवाएं एवं चिकित्सा, इंजीनियरिंग वस्तु, लौह अयस्क, सूती धागा, हथकरघा उत्पाद और सिरेमिक उत्पाद एवं कांच के बर्तनों की वजह से हुई है। इलेक्ट्रानिक उत्पादों का निर्यात 2022-23 के 23.55 अरब डालर से 23.64 प्रतिशत बढ़कर 29.12 अरब डालर हो गया।

वीआई की 5जी सेवाएं नौ माह में

मुंबई (भाषा)।

दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) को छह से नौ माह में चुनिंदा इलाकों में 5जी सेवाएं शुरू करने की उम्मीद है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अक्षय मूंदड़ा ने अपने 18,000 करोड़ रुपये के अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) से पहले सोमवार को यह बात कही।

मूंदड़ा ने कहा कि 5जी सेवाओं को शुरू करना जनता से पूंजी जुटाने के उद्देश्यों में से एक है और एक बार कोष आने के बाद इसे शुरू करने का काम शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 5जी की शुरुआत से अगले 24-30 महीने में कंपनी के कुल राजस्व में इसकी हिस्सेदारी 40 प्रतिशत होगी। हालांकि, मूंदड़ा ने 5जी सेवाएं कब शुरू की जाएंगी, इसपर कोई विशिष्ट समयसीमा साझा नहीं दी।

उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआत के लिए 5,720 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है और बातचीत पहले ही शुरू हो चुकी है। मूंदड़ा ने इसकी शुरुआत किस स्थान से की जाएगी यह जानकारी भी नहीं दी। गौरतलब है कि इसके दोनों प्रतिद्वंद्वी भारती एयरटेल और रिलायंस जियो कई महीने पहले ही 5जी सेवाएं पेश कर चुकी हैं।

प.एशिया में तनाव बढ़ने से शेयरों में बड़ी गिरावट

■ सेंसेक्स 845 अंक लुढ़क कर 73400 अंक पर बंद

मुंबई (भाषा)।

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही और बीएसई सेंसेक्स 845 अंक और लुढ़क गया। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और वैश्विक बाजारों के कमजोर रुख से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। बीएसई सेंसेक्स 845.12 अंक की गिरावट के साथ दो सप्ताह के निचले स्तर 73,399.78 अंक पर बंद हुआ। इस गिरावट से निवेशकों को 5.18 लाख करोड़ का नुकसान हुआ।

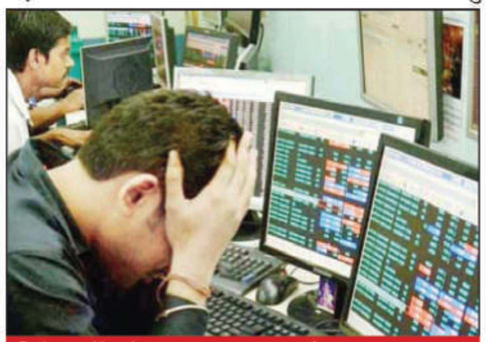

निवेशकों को 5.18 लाख करोड़ का नुकसान

नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 246.90 अंक यानी 1.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,272.50 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले, शुक्रवार को सेंसेक्स 793.25 अंक और निफ्टी 234.40 अंक के नुकसान में रहा था। कुल मिलाकर दो कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स 1,638 अंक यानी 2.19 प्रतिशत और निफ्टी 481 अंक यानी 2.13 प्रतिशत टूटा है। व्यापक बाजार में, बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक में 1.54 प्रतिशत और मिडकैप में 1.50 प्रतिशत की गिरावट आई।

विश्लेषकों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी निकासी और अमेरिका में मुद्रास्फीति अनुमान से अधिक बढ़ने से बाजार नुकसान में रहा। इसके अलावा, पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने तथा भारत-मॉरीशस कर संधि में प्रस्तावित बदलाव से भी बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

सेंसेक्स के शेयरों में विप्रो, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टुब्रो, टेक महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ नेस्ले, मारुति और भारती एयरटेल के शेयर लाभ में रहे।

थोक मुद्रास्फीति में हल्की बढ़त दर्ज

नई दिल्ली (भाषा)।

देश में सब्जियों, आलू, प्याज और कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण थोक मुद्रास्फीति मार्च में मामूली रूप से बढ़कर 0.53 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो फरवरी में 0.20 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से अक्टूबर तक लगातार शून्य से नीचे बनी हुई थी। नवम्बर में यह 0.26 प्रतिशत थी। मार्च, 2023 में यह 1.41 प्रतिशत के स्तर पर थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा, 'अखिल भारतीय थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर मार्च 2024 में 0.53 प्रतिशत (अस्थायी) रही।' आंकड़ों के अनुसार, मार्च में खाद्य मुद्रास्फीति मामूली रूप से बढ़कर 6.88 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.42 प्रतिशत थी। सब्जियों की महंगाई दर 19.52 प्रतिशत रही, मार्च, 2023 में शून्य से नीचे 2.39 प्रतिशत थी। आलू की मुद्रास्फीति मार्च, 2023 में 25.59 प्रतिशत थी जो मार्च, 2024 में 52.96 प्रतिशत हो गई। प्याज की मुद्रास्फीति 56.99 प्रतिशत रही जो मार्च, 2023 में शून्य से नीचे 36.83 प्रतिशत थी। मार्च, 2024 में खाद्य मुद्रास्फीति भी बढ़कर तीन महीने के उच्चतम स्तर 4.6 प्रतिशत पर पहुंच गई।

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के वरिष्ठ निदेशक सुनील कुमार सिन्हा ने कहा, 'खाद्य मुद्रास्फीति में वृद्धि मुख्य रूप से अनाज की मुद्रास्फीति से बढ़ी जो 12 महीने के उच्चतम स्तर नौ प्रतिशत पर रही। आम उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण दालें और सब्जियों की मुद्रास्फीति मार्च, 2024 में क्रमशः 17.2 प्रतिशत और 19.5 प्रतिशत रही।

रामकृष्ण फोर्जिंग्स को वंदे भारत ट्रेन के लिए ठेका

नई दिल्ली (भाषा)।

रामकृष्ण फोर्जिंग्स लिमिटेड ने सोमवार को कहा कि उसे वंदे भारत ट्रेनों के बोगी फ्रेम की आपूर्ति के लिए 270 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। यह ठेका भेल के नेतृत्व वाले गठजोड़ से मिला है। रामकृष्ण फोर्जिंग्स लिमिटेड ने कहा कि परियोजना के दायरे में वंदे भारत ट्रेन के शयनयान संस्करण के लिए बोगी फ्रेम का विकास व सत्यापन शामिल है।

इस ठेके में 32 ट्रेन सेट शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक में 16 कोच हैं और आरकेएफएल कुल 1,024 बोगी फ्रेम बनाएगा। 270 करोड़ के ठेके के तहत बीएचईएल टीआरएसएल गठजोड़ को आपूर्ति की जाएगी।

डिजिटल सेवाओं का विस्तार करने वाली कंपनियों के लिए भारत पसंदीदा स्थल

नई दिल्ली (भाषा)।

प्रौद्योगिकी उद्योग के शीर्ष संगठन नैसकॉम ने सोमवार को कहा कि डिजिटल सेवाओं का विस्तार करने वाले उद्यमों के लिए भारत शीर्ष प्राथमिकता वाला देश बना हुआ है। साथ ही यह उम्मीद है कि कंपनियां (कृत्रिम मेधा) एआई, डेटा एनालिटिक्स और साइबर सुरक्षा पर खर्च बढ़ाएंगी।

नैसकॉम ने यह बात 'डिजिटल उद्यमों की परिपक्वता 5.0: एआई के युग में डिजिटल तैयारी' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कही है। यह 11 प्रमुख क्षेत्रों और सात प्रमुख भौगोलिक क्षेत्रों में 550 उद्यमों के सर्वेक्षण पर आधारित है। सर्वे में पाया गया कि बीते वर्ष देश में 71 प्रतिशत उद्यमों ने अपने तकनीकी खर्च का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा डिजिटल पर व्यय किया। इसमें कहा गया है, 'लगभग 90 प्रतिशत कंपनियों ने 2024 में एआई, मशीन लर्निंग, बिग डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और इंटेलिजेंट ऑटोमेशन सहित प्रमुख डिजिटल प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने की योजना का संकेत दिया है।'

रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली छमाही तक कंपनियों का ध्यान मुख्य रूप से साइबर सुरक्षा की ओर होने की उम्मीद है। इसका कारण काफी संख्या में कंपनियों ने 'जेनेरिक एआई' अपनाने की बात कही है। यह बीते साल एक प्रमुख तकनीक के रूप में उभरी है।

नैसकॉम ने कहा कि 'जेनरेटिव एआई' में जो प्रगति हुई है, उसमें डिजिटल प्रतिभा पर अधिक जोर दिया गया है। सर्वे में 83 प्रतिशत उद्यमों ने कहा कि उनके कुल कार्यबल का छह प्रतिशत से अधिक डिजिटल भूमिकाओं में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंक, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई), उच्च प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, मीडिया और मनोरंजन के साथ ही ऊर्जा और बिजली कंपनियों जैसे क्षेत्र अपने डिजिटल सेवा अनुबंधों का विस्तार कर रहे है।

सरकार का चीनी निर्यात की अनुमति देने से इनकार

नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार ने अक्टूबर में समाप्त होने वाले मौजूदा 2023-24 सीज़न में चीनी निर्यात की अनुमति देने की संभावना से सोमवार को इनकार कर दिया।

वर्तमान में चीनी के निर्यात पर अनिश्चित समय तक के लिए प्रतिबंध लगा हुआ है। हालांकि, भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने सरकार से 2023-24 सीज़न में 10 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति देने का अनुरोध किया है। उसे सीज़न के अंत तक पर्याप्त भंडार होने की उम्मीद है। खाद्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'फिलहाल, सरकार चीनी निर्यात पर विचार नहीं कर रही है, हालांकि उद्योग ने इसका अनुरोध किया है।'

देश का चीनी उत्पादन चालू 2023-24 सीज़न में मार्च तक तीन करोड़ टन को पार कर गया था। इस्मा ने 2023-24 सीज़न के लिए शुद्ध चीनी उत्पादन अनुमान को संशोधित कर 3.2 करोड़ टन कर दिया है। सरकार ने चीनी उत्पादन 3.15-3.2 करोड़ टन होने का अनुमान लगाया है।

इस बीच, सरकार चीनी मिलों को इस साल इथेनॉल उत्पादन के लिए बी-हैवी श्रेणी के शीरा के अतिरिक्त भंडारण का इस्तेमाल करने की अनुमति देने पर विचार कर रही है।

पूरी क्षमता से काम करें बिजली संयंत्र

नई दिल्ली (भाषा)। बिजली मंत्रालय ने देश में बढ़ती मांग के बीच बिजली की कमी से बचने के लिए आयातित कोयले का उपयोग करने वाले सभी ताप विद्युत संयंत्रों को 15 अक्टूबर त्यानी अगले साढ़े तीन महीने तक पूरी क्षमता पर काम करने को कहा है। मंत्रालय ने इस साल गर्मी के मौसम (अप्रैल से जून) में 260 गीगावाट की अधिकतम बिजली मांग का अनुमान लगाया है।

सितम्बर, 2023 में अधिकतम बिजली की मांग 243 गीगावाट के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई थी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस साल गर्मियों में देश के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान के सामान्य से अधिक रहने का अनुमान लगाया है। बिजली मंत्रालय के 12 अप्रैल के एक नोटिस में 15 आयातित कोयला-आधारित ताप बिजली परियोजनाओं को कहा गया, 'अब आयातित कोयला-आधारित संयंत्रों वाली उत्पादन कंपनियों के लिए धारा-11 निर्देश की समय अवधि को 15 अक्टूबर, 2024 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।'

मंत्रालय ने अक्टूबर, 2023 में इन आयातित कोयला आधारित संयंत्रों को पूरी क्षमता से संचालित करने की समयसीमा एक नवम्बर, 2023 से बढ़ाकर 30 जून, 2024 कर दी थी।

रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ 83.44 प्रति डालर पर

मुंबई (भाषा)।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ 83.44 (अस्थायी) प्रति डालर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कमजोर होने से रुपये की गिरावट पर कुछ अंकुश लगा।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.46 प्रति डालर पर खुला। दिन में इसने 83.42 से 83.47 प्रति डालर के बीच कारोबार किया। अंत में यह 83.44 प्रति डालर (अस्थायी) पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डालर के मुकाबले 83.38 पर बंद हुआ था। इस बीच, डालर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 105.68 पर कारोबार कर रहा था।

अस्थायी कार्यबल उद्योग 3.6% बढ़ा

■ अस्थायी वर्कफोर्स के तहत अनुबंध या काम के हिसाब से होती है सावधिक भर्ती

नई दिल्ली (भाषा)।

अस्थायी कार्यबल उद्योग (फ्लेक्सी) बीते वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 3.6 प्रतिशत की दर से बढ़ा। भारतीय स्टाफिंग फेडरेशन (आईएसएफ) ने सोमवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

अस्थायी कार्यबल या स्टाफिंग उद्योग के तहत अनुबंध या काम के हिसाब से निश्चित अवधि के लिए लोगों को भर्ती किया जाता है। इस उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाले शीर्ष निकाय आईएसएफ ने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में उद्योग सालाना आधार पर 3.6 प्रतिशत बढ़ा।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान ई-कामर्स, खुदरा, एफएमसीजी, लॉजिस्टिक, विनिर्माण, आतिथ्य, पर्यटन, विमानन और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में रोजगार खासतौर से बढ़ा।

आईएसएफ के सदस्यों द्वारा नियुक्त कुल औपचारिक अस्थायी कार्यबल दिसम्बर, 2023 तक बढ़कर 16.2 लाख तक पहुंच गया। आईएसएफ के अध्यक्ष लोहित भाटिया ने कहा कि अस्थायी कार्यबल उद्योग का प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अनि./टाई	अंक	नेट र.र.
राजस्थान रॉयल्स	6	5	1	0/0	10	0.767
कोलकाता नाइट राइडर्स	5	4	1	0/0	8	1.688
चेन्नई सुपरकिंग्स	6	4	2	0/0	8	0.726
सनराइजर्स हैदराबाद	6	4	2	0/0	8	0.502
लखनऊ सुपर जायंट्स	6	3	3	0/0	6	0.038
गुजरात टाइटंस	6	3	3	0/0	6	-0.637
पंजाब किंग्स	6	2	4	0/0	4	-0.218
मुंबई इंडियंस	6	2	4	0/0	4	-0.234
दिल्ली कैपिटल्स	6	2	4	0/0	4	-0.975
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू	7	1	6	0/0	2	-1.185

धोनी के खिलाफ डेथ ओवरों में अभ्यास करते हैं हमारे गेंदबाज : सिमंस

मुंबई (भाषा)। चेन्नई सुपरकिंग्स के गेंदबाजी सलाहकार एरिक सिमंस ने खुलासा किया है कि उनके गेंदबाज महेंद्र सिंह धोनी के खिलाफ डेथ ओवरों की गेंदबाजी करते हैं और ट्रेनिंग सत्र में उनके खिलाफ सफल रहने वाली रणनीतियां मैच के दौरान भी अच्छा काम करती हैं। धोनी सुपरकिंग्स की पारी की आखिरी चार गेंदों पर बल्लेबाजी के लिए आए और उन्होंने पहली तीन गेंदों पर छक्के लगाकर टीम को रविवार रात मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या के आखिरी ओवर में 26 रन जुटाने में मदद की। उनकी चार गेंद में नाबाद 20 रन की पारी अंत में अंतर साबित हुई। सिमंस ने मैच कहा, 'वे हमें 200 रन से कम पर रोकने पर विचार कर रहे थे और फिर वे अचानक इस तरह के एक ओवर के साथ 206 रन का सामना कर रहे थे। वह हर बार हमें आश्चर्यचकित करता रहता है। वहां जाना और पहली ही गेंद पर छक्का जड़ना और फिर उसकी तरह बल्लेबाजी जारी रखना आसान नहीं है।' उन्होंने कहा, 'लेकिन वह नेट्स पर शानदार बल्लेबाजी कर रहा है... महेंद्र सिंह धोनी का एक और अविश्वसनीय पल।' सिमंस ने कहा कि एक बल्लेबाज के रूप में में धोनी सीएसके के लिए डेथ ओवरों में अपने गेंदबाजी कौशल का परीक्षण करने के लिए आदर्श रहे हैं। सिमंस ने कहा, 'विकेट पर उनका धैर्य... जब हम डेथ ओवरों में गेंदबाजी करते हैं तो सत्र पूर्व ट्रेनिंग में उनके खिलाफ अभ्यास करते हैं क्योंकि वह इसमें काफी अच्छे हैं। अगर हम उनके खिलाफ अपनी रणनीतियों का परीक्षण कर सकते हैं तो हम जानते हैं कि हम अच्छा प्रदर्शन करने जा रहे हैं।' सिमंस ने स्वीकार किया कि धोनी घुटने की चोट से जूझ रहे हैं लेकिन उन्होंने कोई दर्द नहीं दिखाते हुए बहादुरी से इसका सामना किया है। उन्होंने कहा, 'हर किसी को उसकी चोटों में उसकी तुलना में अधिक रुचि है। वह उन सबसे कठोर व्यक्तियों में से एक है जिनसे मैं कभी मिला हूं। मुझे नहीं लगता कि हमें यह भी पता है कि उसे किस हद तक दर्द हो सकता है। वह बस आगे बढता रहता है और अपना काम करता है।'

टीमें दुबे के खिलाफ स्पिनरों को उतारने से डरती हैं

मुंबई (भाषा)। चेन्नई सुपरकिंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने कहा है कि ऑलराउंडर शिवम दुबे में मैचों को नियंत्रित करने की क्षमता है और टीमें उनके खिलाफ स्पिन गेंदबाजों का इस्तेमाल करने से 'डरती' हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज दुबे ने रविवार को यहां मुंबई इंडियन्स के खिलाफ 38 गेंद में नाबाद 66 रन बनाए। मुंबई ने सात गेंदबाजों का इस्तेमाल किया लेकिन आठवें ओवर के बाद अपने स्पिनरों को गेंदबाजी का मौका नहीं दिया। दुबे ने स्पिनर की सिर्फ एक गेंद का सामना किया और वह गेंद श्रेयस गोपाल की थी। सिमंस ने संवाददाताओं से कहा, 'जब वह (दुबे) आता है तो वे (विरोध टीमें) स्पिनरों को हटा देते हैं (और) वे तेज गेंदबाजों से गेंदबाजी कराते हैं। वह इसमें और अधिक प्रभावी हो गया है।'

संक्षिप्त खबरें

भारतीय टीम ढाका में स्पेशल ओलंपिक दक्षिण एशिया फुटबॉल के लिए रवाना

फरीदाबाद। भारत के पुरुष और महिला खिलाड़ियों का 28 सदस्यीय मजबूत दल स्पेशल ओलंपिक दक्षिण एशिया यूनीफाइड सेवन-ए-साइड फुटबॉल टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए सोमवार को ढाका रवाना हुआ। भारतीय दल में 22 खिलाड़ी और पांच कोच शामिल हैं जो आठ राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं। दल को सोमवार को विदाई दी गई। स्पेशल ओलंपिक भारत (एसओबी) के खेल निदेशक हरप्रीत सिह ने समारोह के दौरान कहा, 'हमें एसओबी की महिला टीम से कम से कम एक कदम की उम्मीद है। पुरुष टीम को हालांकि अपने कौशल में सुधार करना होगा। महत्वपूर्ण चीज यह है कि गोल नहीं होने दें लेकिन हमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है।'

नदी के बजाय स्टेडियम में हो सकता है ओलंपिक उद्‌घाटन समारोह : मैक्रों

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने सोमवार को कहा कि योजना के अनुसार सीन नदी पर होने वाले पेरिस ओलंपिक के उद्‌घाटन समारोह को सुरक्षा कारणों से राष्ट्रीय स्टेडियम 'स्टेड डि फ्रांस' में कराया जा सकता है। पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक से पहले फ्रांस में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए जा रहे हैं क्योंकि इस दौरान लाखों दर्शकों के देश पहुंचने की उम्मीद है। उद्घाटन समारोह में करीब 10,500 खिलाड़ियों को नावों में बिठाकर सीन नदी पर छह किलोमीटर (3.7 मील) दूर तक परेड करायी जाएगी और दर्शक किनारे से बैठकर उन्हें देखेंगे। लेकिन 26 जुलाई को होने वाले इस समारोह के लिए सुरक्षा के कई स्तरों की जरूरत होगी और अगर ऐसा होता है तो स्टेडियम के बाहर होने वाला यह पहला ओलंपिक उद्धाटन समारोह होगा।

बैंगनी रंग का होगा ओलंपिक का एथलेटिक ट्रैक

पेरिस। एथलीट इस साल पेरिस ओलंपिक खेलों में जब नए रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करेंगे तो दर्शकों को बैंगनी रंग का एथलेटिक ट्रैक देखने को मिलेगा। पारंपरिक ईंट जैसे लाल रंग से हटकर पहली बार ओलंपिक ट्रैक इस बार बैंगनी रंग का होगा। 'वल्केनाइज्ड रबर ट्रैक' (रासायनिक प्रक्रिया से तैयार होने वाला बेहतर कृत्रिम रबर) के टुकड़ों का उत्पादन उत्तरी इटली की एक फैक्ट्री में किया गया है और कर्मचारी उन्हें ट्रैक स्पर्धाओं की मेजबानी करने वाले राष्ट्रीय स्टेडियम 'स्टेड डी फ्रांस' में बिछा रहे हैं। ट्रैक को कवर करने के लिए 'वल्केनाइज्ड रबर' के 1,000 से अधिक रोल का उपयोग किया जाएगा। इसमें एक महीने का समय लगेगा और गोंद के 2,800 डब्बे लगेंगे।

सनराइजर्स का रिकॉर्डतोड़ स्कोर आरसीबी को 25 रन से हराया

बेंगलुरू (भाषा)। ट्रेविस हेड के आक्रामक शतक और कप्तान पैट कमिंस के उम्दा प्रदर्शन के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) को 25 रन से हरा दिया। हेड के पहले टी-20 शतक के अलावा हेनरिच क्लासेन ने ताबड़तोड़ 67 रन बनाए जिसकी मदद से सनराइजर्स ने टूर्नामेंट के इतिहास का रिकॉर्ड स्कोर जड़ते हुए तीन विकेट पर 287 रन बनाए। सनराइजर्स ने इसी सत्र में 27 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ तीन विकेट पर 277 रन बनाकर रिकॉर्ड अपने नाम किया था और आज अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया।

जवाब में आरसीबी की टीम सात विकेट पर 262 रन ही बना सकी। कमिंस ने 43 रन देकर बेजान पिच पर तीन विकेट लिए। इस आईपीएल मैच में 40 ओवरों में 549 रन बने जो एक रिकॉर्ड है। कप्तान फाफ डु प्लेसी और दिनेश कार्तिक ने आरसीबी को चमत्कारिक जीत दिलाने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। डु प्लेसी ने 28 गेंद में सात चौकों और चार छक्कों की मदद से 62 रन बनाए जबकि कार्तिक ने 35 गेंद में 83 रन बना डाले जिसमें पांच चौके और सात छक्के शामिल थे। डु प्लेसी और विराट कोहली ने तेज शुरुआत करते हुए सिर्फ 3.5 ओवर में 50 रन जोड़ लिए। सनराइजर्स ने 50 रन 4.3 ओवर में बनाए थे। फाफ और कोहली ने पावरप्ले में 79 रन बनाए और 6.2 ओवर में स्कोर 80 रन था। इसके बाद लेग स्पिनर मयंक मार्कंडेय ने कोहली का कीमती विकेट लेकर मैच की तस्वीर बदल दी।

मार्कंडेय को स्लॉग स्वीप खेलने के प्रयास में कोहली चूके और गेंद स्टम्प पर जा लगी। उसके बाद आरसीबी ने 41 रन के भीतर चार विकेट गंवा दिए। चौथा विकेट डु प्लेसी के रूप में गिरा जिन्होंने कमिंस को लगातार चौका छक्का लगाया लेकिन विकेट के पीछे क्लासेन को कैच दे बैठे। इसी ओवर में कमिंस ने सौरव चौहान (शून्य) को भी आउट किया। कार्तिक और महिपाल लोमरोर (19) ने मार्कंडेय के आखिरी ओवर में 25 रन बनाए और छठे विकेट के लिए 29 गेंद में 59 रन जोड़े। लेकिन लक्ष्य इतना बड़ा था कि हर प्रयास छोटा पड़ गया।

इससे पहले ट्रेविस ने आरसीबी को शानदार शुरुआत देते हुए 41 गेंद में 102 रन बनाए जिसमें नौ चौके और आठ छक्के शामिल थे। आरसीबी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज हेड ने अभिषेक शर्मा के साथ 49 गेंद में 108 रन की साझेदारी की। शर्मा ने 22 गेंद में 34 रन बनाए।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद -		विल जैक्स रन आउट	07
अभिषेक शर्मा का. फर्ग्युसन बो. टॉप्ली	34	रजत पाटीदार का. रेड्डी बो. मार्कंडेय	09
ट्रेविस हेड का. डु प्लेसी बो. फर्ग्युसन	102	सौरव चौहान पगबाधा बो. कमिंस	00
हेनरिच क्लासेन का. विशाख बो. फर्ग्युसन	67	दिनेश कार्तिक का. क्लासेन बो. नटराजन	83
एडेन माक्ररम (नाबाद)	32	महिपाल लोमरोर बो. कमिंस	19
अब्दुल समद (नाबाद)	37	अनुज रावत (नाबाद)	25
अतिरिक्त -	**15**	विजयकुमार विशाख (नाबाद)	01
कुल - (20 ओवर में तीन विकेट पर)	**287**	**अतिरिक्त -**	**14**
विकेटपतन - 1/108, 2/165, 3/231		**कुल -** (20 ओवर में सात विकेट पर)	**262**
गेंदबाजी - जैक्स 3-0-32-0, टॉप्ली 4-0-68-1, दयाल 4-0-51-0, फर्ग्युसन 4-0-52-2, विशाक 4-0-64-0, लोमरोर 1-0-18-0		**विकेटपतन -** 1/80, 2/100, 3/111, 4/121, 5/122, 6/181, 7/244	
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू -		**गेंदबाजी -** अभिषेक शर्मा 1-0-10-0, भुवनेश्वर 4-0-60-0, शाहबाज 1-0-18-0, नटराजन 4-0-47-1, कमिंस 4-0-43-3, मार्कंडेय 4-0-46-2, उनादकट 2-0-37-0	
विराट कोहली बो. मार्कंडेय	42		
फाफ डु प्लेसी का. क्लासेन बो. कमिंस	62		

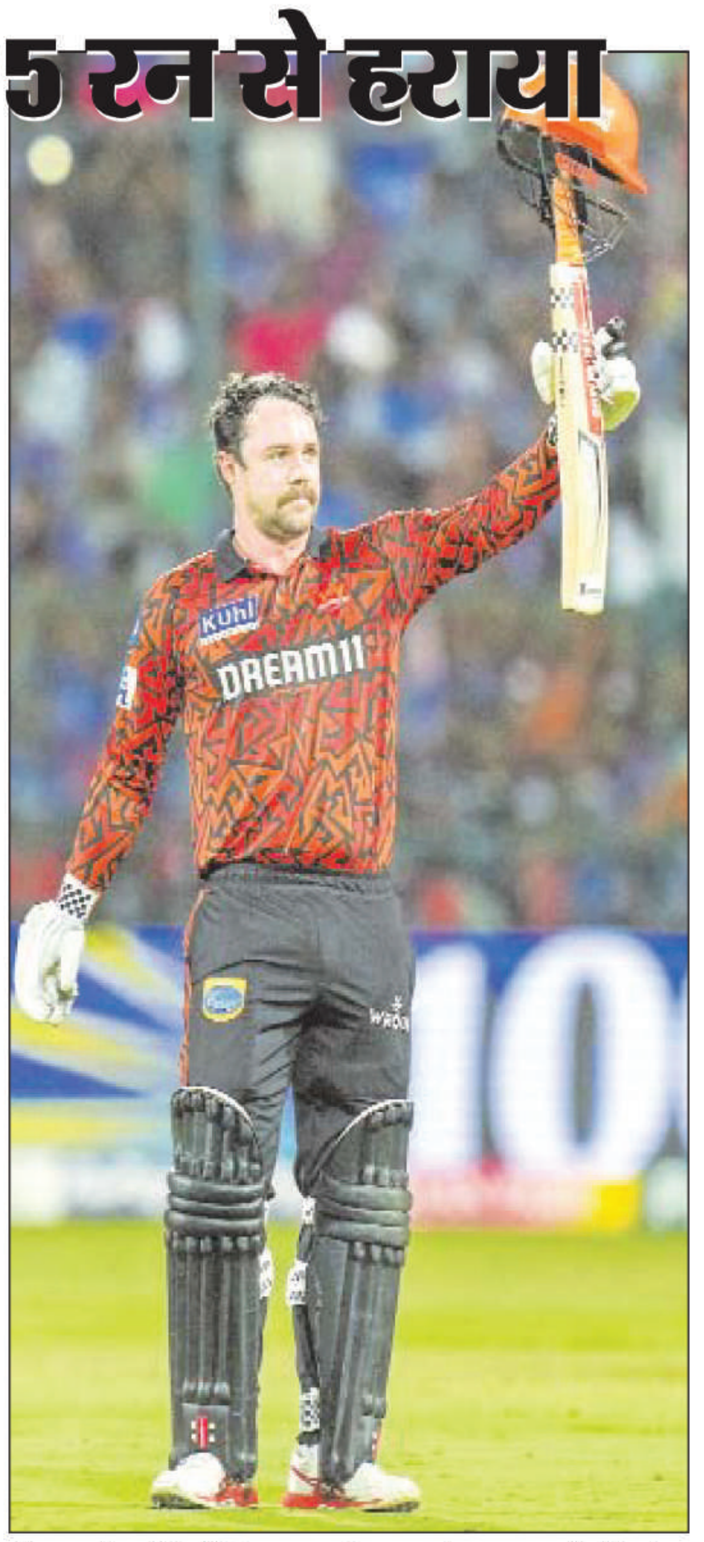

बेंगलुरू : रॉयल चैलेंजर्स के खिलाफ तूफानी शतक जमाने पर सनराइजर्स के ट्रेविस हेड।

राजस्थान रॉयल्स को हराकर शीर्ष पर पहुंचना चाहेगी नाइट राइडर्स

कोलकाता (भाषा)। राजस्थान रॉयल्स की टीम मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग में जब दो बार के चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से भिड़ेगी तो उसके बल्लेबाजों के सामने ईडन गार्डन्स पर सुनील नरेन की गेंदबाजी का जवाब ढूंढने की चुनौती होगी। अगले महीने 36 बरस के होने जा रहे नरेन ने 2012 और 2014 में पूर्व कप्तान गौतम गंभीर के नेतृत्व में केकेआर की दो खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वर्ष 2012 में नाइट राइडर्स का हिस्सा बनने के बाद से नरेन ने ईडन गार्डन्स पर अपनी गेंदबाजी से विरोधी बल्लेबाजों को काफी परेशान किया है।

मैच *शाम 7.30 बजे से*

मेंटर के रूप में टीम में गंभीर की वापसी के बाद नरेन ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को खिताब के दावेदारों में शामिल कर दिया है। तालिका की शीर्ष दो टीमों के बीच होने वाले इस मुकाबले में अगर केकेआर जीत दर्ज करता है तो 10 टीम की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच जाएगा। रविवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ केकेआर की आठ विकेट की जीत में फिल सॉल्ट को नाबाद तूफानी अर्धशतक जड़ने के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। लेकिन वह नरेन थे जिनकी किफायती गेंदबाजी के सामने लखनऊ की टीम सात विकेट पर 161 रन ही बना सकी।

मौजूदा सत्र में 155 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले रॉयल्स के संजू सैमसन, रियान पराग और शिमरोन हेटमायर जैसे बल्लेबाजों को हालांकि नरेन की चुनौती का हल ढूंढना होगा। यह देखना होगा कि जोस बटलर इस मुकाबले के लिए फिट हैं या नहीं। वह पंजाब किंग्स के खिलाफ रॉयल्स के पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे। मौजूदा सत्र में नरेन बल्ले से भी काफी अच्छी फॉर्म में हैं और उन्होंने 183.51 के स्ट्राइक रेट से 33 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं।

आईपीएल के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी मिशेल स्टार्क ने भी सुपर जायंट्स के खिलाफ पिछले मैच में लय हासिल करते हुए 28 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे। इस मैच में मुख्य मुकाबला केकेआर की गेंदबाजी और रॉयल्स की बल्लेबाजी के बीच होगा।

केकेआर की एकमात्र कमजोर कड़ी उसके कप्तान श्रेयस अय्यर हैं जो खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और बड़ी पारियां खेलने में विफल रहे हैं।

धर्मशाला में नई 'हाइब्रिड पिच' पर खेले जाएंगे आईपीएल के मैच

धर्मशाला (भाषा)। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ का खूबसूरत स्टेडियम बीसीसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त पहला स्टेडियम होगा जिसमें अत्याधुनिक 'हाइब्रिड पिच' बिछाई गई है जहां इस सत्र में इंडियन प्रीमियर लीग के दो मैच होंगे। एचपीसीए के एक अधिकारी ने कहा, 'हाइब्रिड पिच बिछा दी गई है और आईपीएल के दो मैच इसी पर खेले जाएंगे।' नीदरलैंड की 'एसआईएस ग्रास' कंपनी को इसका जिम्मा दिया गया है। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह पिच अधिक टिकाऊ, स्थिर और हाई परफॉर्मिंग होगी।

एचपीसीए अध्यक्ष आरपी सिंह ने कहा, 'भारत में हाइब्रिड पिच तकनीक का आगमन क्रिकेट के लिए बहुत महत्वपूर्ण पल है।' इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और एसआईएस के अंतरराष्ट्रीय निदेशक पॉल टेलर ने कहा, 'भारत में हमारे डिलिवरी साझेदार पिच विशेषज्ञ ग्रेटर टेन के साथ मिलकर एसआईएस ग्रास हाइब्रिड पिच जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं के जरिए भारतीय क्रिकेट के इकोसिस्टम में निवेश करने को लेकर प्रतिबद्ध है।'

विदित ने फिर नाकामूरा को हराया

कैंडिडेट्स *शतरंज*

टोरंटो (भाषा)। भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने पिछले मैच में शिकस्त के बाद जोरदार वापसी करते हुए कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में अमेरिका के दूसरे वरीय हिकारू नाकामूरा को हरा दिया। डी. गुकेश और आर. प्रज्ञानानंदा के बीच ऑल इंडियन मुकाबला ड्रा रहा जबकि किसी अन्य बाजी का भी नतीजा नहीं निकला। रूस के इयान नेपोमनियाची ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा के साथ अंक बांटे जबकि अजरबेजान के निजात अबासोव ने अमेरिका के फाबियानो करुआना को बराबरी पर रोका।

साल के इस सबसे बड़े टूर्नामेंट में अब पांच दौर का खेला बाकी है। नेपोमनियाची और गुकेश संभावित नौ में से 5.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। प्रज्ञानानंदा पांच अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। नाकामूरा, गुजराती और करुआना 4.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। अलीरेजा 3.5 अंक के साथ सातवें जबकि अबासोव तीन अंक के साथ आठवें स्थान पर हैं। पहले हाफ में नाकामूरा को हराने वाले विदित ने दूसरे हाफ में भी अपनी इस सफलता को दोहराया।

गुकेश और प्रज्ञानानंदा के बीच ऑल इंडियन मुकाबला 41 चाल के बाद ड्रा पर समाप्त हुआ। अलीरेजा के खिलाफ नेपोमनियाची मुश्किलों में घिरा होने के बावजूद वापसी करते हुए मुकाबला ड्रा कराने में सफल रहे। अबासोव ने भी सफेद मोहरों से खेलते हुए करुआना को कोई मौका नहीं दिया और अंततः दोनों खिलाड़ी बाजी ड्रा कराने पर सहमत हो गए।

टी-20 सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान

नई दिल्ली (भाषा)। स्पिनर आशा शोभना और बल्लेबाज साजना सजीवन को बांग्लादेश के खिलाफ 28 अप्रैल से शुरू हो रही पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। लेग स्पिनर शोभना ने महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू की खिताबी जीत में अहम भूमिकर निभाते हुए दस मैचों में 12 विकेट लिए थे। सजीवन ने मुंबई इंडियंस के लिए सेमीफाइनल में 74 रन बनाए थे। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर होंगी। सभी पांच मैच सिलहट में खेले जाएंगे। मैच 28, 30 अप्रैल, दो मई, छह मई और नौ मई को खेले जाएंगे।

टीम : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, डी. हेमलता, साजना सजीवन, ऋचा घोष, यास्तिका भाटिया, राधा यादव, दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्राकर, अमनजोत कौर, श्रेयांका पाटिल, साइका इशाक, आशा शोभना, रेणुका सिह ठाकुर, टिटास साधू।

खालसा कॉलेज ने जीता पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट

नई दिल्ली। मेजबान श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरे पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट में पुरुष वर्ग का खिताब जीत लिया। भारत के पूर्व हॉकी ओलंपियन, अर्जुन अवार्ड, पद्मश्री और ध्यान चांद लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित हरबिंदर सिंह और पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के ज्वाइंट सेक्रेटरी गौतम वडेरा ने पुरस्कार बांटे। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने कांटे की टक्कर के फाइनल मुकाबले में खालसा कॉलेज एलुमनी टीम को 3-2 से हराया। विजेता श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज के लिए अरबाज, मोहित और हर्ष तेवतिया ने एक-एक गोल किया। खालसा कॉलेज एलुमनी टीम की तरफ से विपिन नांदल और मनीष ने एक एक गोल किया।

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज के हर्ष तेवतिया मैन ऑफ द मैच बने। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग के स्पेशल अवार्ड इन खिलाड़ियों को मिले। बेस्ट गोलकीपर अवार्ड - ऋषभ (श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज)। बेस्ट डिफेंडर - विपिन नांदल (श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज एलुमनी टीम)। बेस्ट मिडफील्डर - अंकित (श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज)। बेस्ट फॉरवर्ड - अजय राठी (श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज एलुमनी)। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट - पवन चौहान (श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज)।

एसआरके की राजपति मिश्रा क्रिकेट में सेंट लारेंस पर जीत

नई दिल्ली। एसआर के टेक्नालॉजी ने 9वें राजपति मिश्रा क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मुकाबले में सेंट लारेंस क्रिकेट अकादमी को 81 रनों से हराकर शानदार जीत हासिल की। सेंट लारेंस एकेडमी ने टॉस जीतकर एसआरके टेक्नालॉजी को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। एसआरके टेक्नालॉजी की पूरी टीम 38.1 ओवर में 242 रन ही बना सकी।क्रिस यादव ने 94 रन, गोविंद मित्तल ने नाबाद 38 रन व आर्यन ने 38 रनों की पारी खेली। गौरव मेहरा, ब्रायन झा, सिद्धार्थ कुमार और अनिकेत पोरवाल ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट लारेंस अकादमी की टीम 32.4 ओवर में 161 रनों पर सिमट गयी। देव दुबे ने 65 रन व आयुष सचदेवा ने 38 रनों की पारी खेली। आत्रे त्रिपाठी ने चार व अरविंद वर्मा ने दो विकेट लिए। क्रिस यादव को शानदार बल्लेबाजी के लिए स्पोर्ट्स सन मैन आफ द मैच आंका गया। **संक्षिप्त स्कोर -** एसआरके टेक्नालॉजी : 38.1 ओवर में 10/242 (क्रिस यादव 94 रन, गोविंद मित्तल 38 रन ना., आर्यन 38 रन., गौरव मेहरा 2/27, ब्रायन झा 2/36, सिद्धार्थ कुमार 2/39, अनिकेत पोरवाल 2/54)। सेंट लारेंस क्रिकेट अकादमी : 32.4 ओवर में 10/161 (देव दुबे 65 रन, आयुष सचदेवा 38 रन, आत्रे त्रिपाठी 4/29, अरविंद वर्मा 2/22)।

दिव्यांश ने झटके पांच विकेट

दिव्यांश (10 रन देकर पांच विकेट) और युवराज यादव (3/10) की घातक गेंदबाजी और अंशिका सिंह 41 रन, पार्थ सिंह 37 रन की अच्छी बल्लेबाजी की मदद से यूवाईसीए ने प्रथम श्री राम प्यारे सिंह अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट में डीएवी रोहिणी को 105 रन से हरा दिया। **संक्षिप्त स्कोर -** यूवाईसीए : 30 ओवर में 178/8 (अंशिका सिंह 41 रन, पार्थ सिंह 37 रन, शिवेश 2/08)। डीएवी रोहिणी : 25 ओवर में 73/10 (जीयूएस 15 रन, दिव्यांश 5/10 युवराज यादव 3/10)।

वीर कृष्ण का कमाल

वीर छिक्कारा (62 रन, 2/26) और कृष्ण शर्मा (93 रन, 2/12) के शानदार ऑलराउंडर प्रदर्शन रन और कार्तिक 2/11 की अच्छी गेंदबाजी की मदद से एजीडीएवी अकादमी ने प्रथम श्री राम प्यारे सिंह अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट में डोगरा अकादमी को 48 रनों से हराया। **संक्षिप्त स्कोर -** डीएवी अकादमी : 30 ओवर में 206/6 (कृष्णा शर्मा 93 रन, वीर चिक्कारा 62 रन, भव्य कुकरेजा 3/39)। डोगरा अकादमी : 29 ओवर में 158/10 (अर्जुन 49 रन, कार्तिक 2/11, कृष्णा शर्मा 2/12, वीर छिक्कारा 2/26)।

अथर्व और आयुष्मान चमके

मैन ऑफ द मैच आयुष्मान एन. अधिकारी (90 रन) की बेहतरीन पारी और अथर्व एन. अधिकारी (चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत एयरलाइनर भारती कॉलेज ने जीआरएम क्रिकेट अकादमी, नई दिल्ली में खेले जा रहे प्रथम समर कप अंडर-12 के लीग मैच में क्रिकेट कोचिंग उपाध्याय अकादमी पर 102 रन की शानदार जीत दर्ज की। क्रिकेट कोचिंग उपाध्याय अकादमी के शिवम शर्मा ने तीन विकेट लिए। **संक्षिप्त स्कोर -** एयरलाइनर भारती कॉलेज : 30 ओवर में 225/8 (आयुष्मान एन. अधिकारी 90 रन, आरव सिंह 56 रन, शिवम शर्मा 3/11, हर्षित शौकीन 2/31)। क्रिकेट कोचिंग उपाध्याय अकादमी : 29.4 ओवर में 123/10 (हर्षित शौकीन 38 रन, रियांश यादव 33 रन, अथर्व एन. अधिकारी 4/17, लव 2/16)।

डीडीसीए लीग : ध्रुव के शतक से एनके खन्ना क्लब की शानदार जीत

नई दिल्ली। ध्रुव सिंह (100 रन ना.) की शानदार शतकीय पारी, आदित्य चौधरी 50 रन के अर्धशतक और सम्पूर्ण तिवारी (3/33), अर्पित राणा (2/5) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत एनके खन्ना क्लब (241/6) ने डीडीसीए लीग में डीडीए (186/9) पर 55 रन से शानदार जीत दर्ज की। पराजित टीम की ओर से विमन्यु कुमार 57 रन बनाए।

सनत सांगवान का बेहतरीन शतक

दिल्ली अंडर-23 प्लेयर सनंत सांगवान (133 रन, 4/6) के शानदार शतक और नमन तिवारी 61 रन, शौर्य सिंह (3/37) और सागर तंवर (3/36) के शानदार खेल की मदद से सोनेट क्लब (283/7) ने किशन गंज जिमखाना (224/10) को 59 रन से हरा दिया। पराजित टीम की ओर से दिल्ली रणजी प्लेयर हितेन दलाल (117 रन) ने शतपीय पारी खेली, हरीश डागर ने तीन विकेट झटके।

प्रताप बसिस्टा और योगेश शर्मा शानदार खेल

प्रताप बसिस्टा (87 रन), कुंवर बिधुरी 51 रन, नितिन बैसोया (36 रन, 2/21) के शानदार खेल और योगेश शर्मा (5/33) की घातक गेंदबाजी की बदौलत लाल राम चरण अग्रवाल क्लब (227/8) ने दिल्ली पुलिस क्लब (210/10) पर 17 रन से जीत दर्ज की। पराजित टीम की ओर से मंजीत ने 35 र,न मनीष ढिल्लों ने 35 रन व अरुण कटारिया ने 34 रन बनाए।

अभीक के शतक से पूसा यंगस्टर जीता

अभीक अरोरा (101 रन ना.) के शतक, राघव 77 रन ना., ध्रुव (4/25), मृणाल गुलाटी (2/19) व राजदीप जैन (2/17) की बेतरीन गेंदबाजी की बौदलत पूसा यंगस्टर क्लब (186/0) ने मिनिस्ट्री ऑफ आई एंड बी (183/10) को दस विकेट हरा दिया। पराजित टीम की ओर से धीरेन्दर खत्री ने 58 रन की पारी खेली।

गोपेश ने झटके पांच विकेट

गोपेश (पांच विकेट 12 रन देकर) की घातक गेंदबाजी और सुखेश पंवार (2/27), पार्थ कुमार 44 रन ना., कृष बहल 39 रन ना., के शानदार खेल की मदद से अल्पाइन क्रिकेट क्लब (88/0) ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (87/10) को दस विकेट से हरा दिया। पराजित टीम की ओर से हिमांशु सोनी ने 36 रन बनाए।

प्रभजस की शानदार गेंदबाजी

प्रभजस (4/23) और नवनीत सिंह (2/25) की शानदार गेंदबाजी, रूपंक अग्रवाल 84 रन ना., नमन परे 62 रन की पारियों से निओ स्पोर्ट्स क्लब (172/3) ने रूप नगर क्लब (171/10) पर सात विकेट से जीत दर्ज की। एक अन्य मैच में प्रशांत (107 रन ना.) और सागर खत्री (100 रन) के नाबाद शतक व गौरव सिंह (4/37), यश भट्ट (3/47) की शानदार गेंदबाजी से दिल्ली कोल्ट्स क्लब (284/3) ने ब्राइट क्लब (239/10) को 45 रन से हरा दिया। पराजित टीम की ओर से मयंक गुसाई ने 101 रन की शतकीय पारी खेली।

खानपान

विश्वनाथ यादव

बस्तर अंचल में प्रचलित मुख्य व्यंजन

छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में खेतों में अभी भी रासायनिक खादों का उपयोग कर जैविक खाद को ही महत्व देते आ रहे हैं। इससे इन्हें शुद्ध और पौष्टिक आहार मिलत रहते हैं, इनके अनेक व्यंजन ऐसे हैं जो मैदानी इलाकों में प्रचलन में नहीं हैं। आदिवासी अपने व्यंजनों को हाट बाजारों में प्रति नग के दर से बेचे जाते हैं। कमजोर वर्ग इनके ज्यादा खरीददार होते हैं। जानें यहां कुछ व्यंजनों के बारे में-

आरसा पीठा-गुड़ और चावल के आटे के मिश्रण से तैयार एक तरह से तली हुई यह मीठी रोटी होती है।

संवारी-गेहूं के आटे को दही के साथ गूंथकर तेल में तली जाने के बाद सुखाई जाती है।

गुजिया खाजा-इसे गुड़ वाली सुखी जलेबी भी कहते हैं, क्योंकि गुड़ और चावल के आटे को मिलाकर जलेबी का आकार दिया जाता है फिर सुखाया जाता है।

चापालाडू-लाई, राजगीर या तिल आदि को गुड़ में पागकर बनाया जाता है। तिल से बना लडडू तिलडूंडा कहलाता है।

बोबो-चावल के आटे और गुड़ के शीरे में पागा गया गोलाकार चपटा पकवान को गोलपीठी या बोबो भी कहते हैं।

कुकड़ा मिठई- शक्कर के चूरे को मुर्गे-चिड़यिा या अन्य प्रकार के पक्षी का आकार दिए जाते हैं उसे ककुड़ मिठई कहते हैं।

चकली-चावल के आटे को विभिन्न आकार देकर तलकर निकाला जाता है।

केरी-आटे बेसन के मेल से बना गोलाकार चकरीनुमा शक्ल होती है।

पीठा- गेहूं चावल के आचे गूंथे से लोंदा बनाकर खौलते पानी में डालकर मनचाहा आकृति देकर तला जाता है।

पुस्तक समीक्षा

गांव अभी जीयत हे

कृति के नाव: गांव अभी जीयत हे

कृतिकार: अशोक नारायण बंजारा

प्रकाशक: शताक्षी प्रकाशन रायपुर

समीक्षक: चम्पेश्वर गोस्वामी

मूल्य: तीन सौ पचास रूपए

छत्तीसगढ़ के कहानीकार के कृति गांव अभी जीयत हे' शीर्षक ले ही स्पष्ट हो जथे कि गांव के दशा-दिशा ल सकारात्मक रूप ले पाठक मन कर लाय के प्रयास करे हव। येमा आपके कहानी संग्रह में 18 कहिनी म हिरदे के सपना, सोनपरी के ममा, बेकूफ मइनखे, भूल चूक माफी, अपन हाथ जगन्नाथ, चंदवा भइंसा, जतने के भूती, गाड़ा के ओंगन अउ गढ़कलेवा जइसे कहानी मन हमन ल पढ़त बेरा गांव के चित्रण ल आंखी के आगू ल लाय के क्षमता राखथे। हमर सोच कभु भी होय सकारात्मक होना चाही, जभे हमर जीवन ह सार्थक होही, जम्मों कहानी ह पाठक मन के मनोरंजन संग कुछ न कुछ समाजिक संदेस घलो देवत हे।

धांस जलप्रपात नर्मदा-साल्हेवारा मुख्य मार्ग पर स्थित ग्राम मोहगाँव से लगभग 10 कि.मी. दूर घने जंगलों के बीच स्थित है। इसके आसपास धांस वृक्षों की अधिकता के कारण इसका नाम धांस पड़ा। पहुंच मार्ग कठिन होने के कारण यहां तक कम लोग पहुंच पाते हैं, लेकिन प्रकृति प्रेमी पर्यटकों के लिए यह बहुत ही मनोरम तथा दर्शनीय स्थल है। धांस जल प्रपात तक पहुंचने के लिए सुरही नदी को सात-आठ बार पार करना पड़ता है। लगभग 25-30 फुट की ऊंचाई से गिरने वाली धांस जलधारा चांदी के कतरों के समान दिखाई पड़ती है।

कुदरत का नजारा धांस जलधारा में

छत्तीसगढ़ में गंडई अंचल की बड़ी प्रसिद्धि है। यहा गंगई माता व भांड देउर शिव का प्राचीन मंदिर है। गंडई का पश्चिमी भाग सघन वनों से आच्छादित है। पैलीमेटा, ठाकुरटोला, मोहगांव, साल्हेवारा, बकरकट्टा आदि कुछ ऐसे स्थान हैं, जहां पर प्रकृति का नैसर्गिक सौंदर्य बिखरा पड़ा है। सुरही इस क्षेत्र की प्रमुख और जीवनदायिनी नदी है। सुरही नदी का उद्गम बंजारी को माना जाता है। सोरह (सोलह)धारों का समागम होने के कारण इस नदी का नाम सोरही से सुरही पड़ा। पैलीमेटा में इस पर बड़ा बांध बना है। जिससे गंडई क्षेत्र के 32 गांवों के खेतों में सिंचाई होती है। इसी सुरही नदी पर कुदरत का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। जिसे धांस जलधारा नाम से जाना जाता है। धांस जलप्रपात नर्मदा-साल्हेवारा मुख्य मार्ग पर स्थित ग्राम मोहगाँव से लगभग 10 कि.मी. दूर घने जंगलों के बीच स्थित है। इसके आसपास धांस वृक्षों की अधिकता के कारण इसका नाम धांस पड़ा। पहुंच मार्ग कठिन होने के कारण यहां तक कम लोग पहुंच पाते हैं, लेकिन प्रकृति प्रेमी पर्यटकों के लिए यह बहुत ही मनोरम तथा दर्शनीय स्थल है। धांस जल प्रपात तक पहुंचने के लिए सुरही नदी को सात-आठ बार पार करना पड़ता है। लगभग 25-30 फुट की ऊंचाई से गिरने वाली धांस जलधारा चांदी के कतरों के समान दिखाई पड़ती है। जलधारा का झर-झर स्वर और प्रकृति का मोहक संगीत मन-प्राण को मुग्ध करता है। चारों ओर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ तथा पहाड़ों पर बिखरी हरियाली तन-मन में खुशहाली भर देती है। पंछियों का कलरव तथा सघन पेड़ों से छन कर आती सूर्य किरणें हृदय तारों को झंकृत करती हैं। तब गुंजित होता है यह गान-

कुदरत का रंगीन नजारा, धांस की मोहक जलधारा।
प्रकृति का नेह निमंत्रण, तुम्हें बुलाए दोबारा।

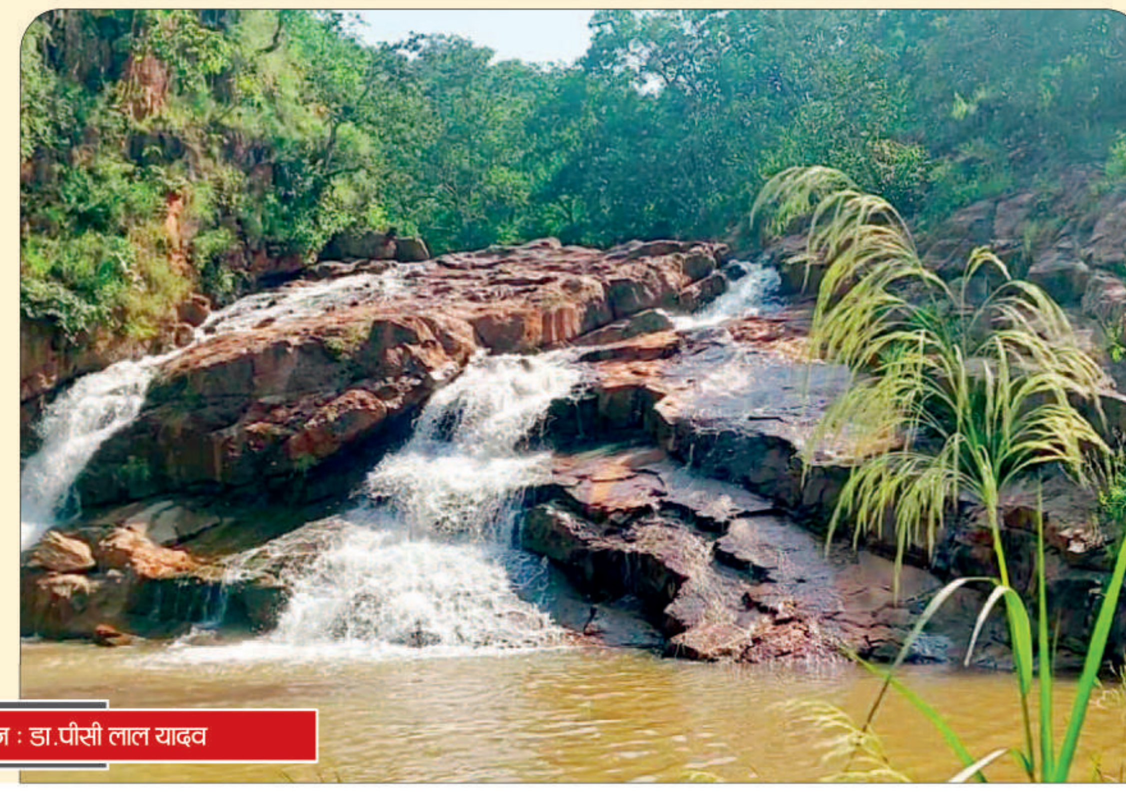

पर्यटन : डा.पीसी लाल यादव

सबसे अधिक लंबाई वाली कैलाश गुफा कांगेर घाटी में

कैलाश गुफा कांगेर की घाटी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित है। यहां सौ मीटर लंबी गुफा एक पहाड़ी में स्थित है। इसे छत्तीसगढ़ की सबसे अधिक लंबाई वाली गुफा मानी जाती है। गुफा की विशेषता है कि यह चूना पत्थर के खंभे पर टिका हुआ है। यह स्थान भूवैज्ञानिकों के लिए पर्याप्त रहस्य समेटे हुए हैं। यहां प्रसिद्ध शिव मंदिर का तीर्थ स्थल के रूप में मान्यता है।

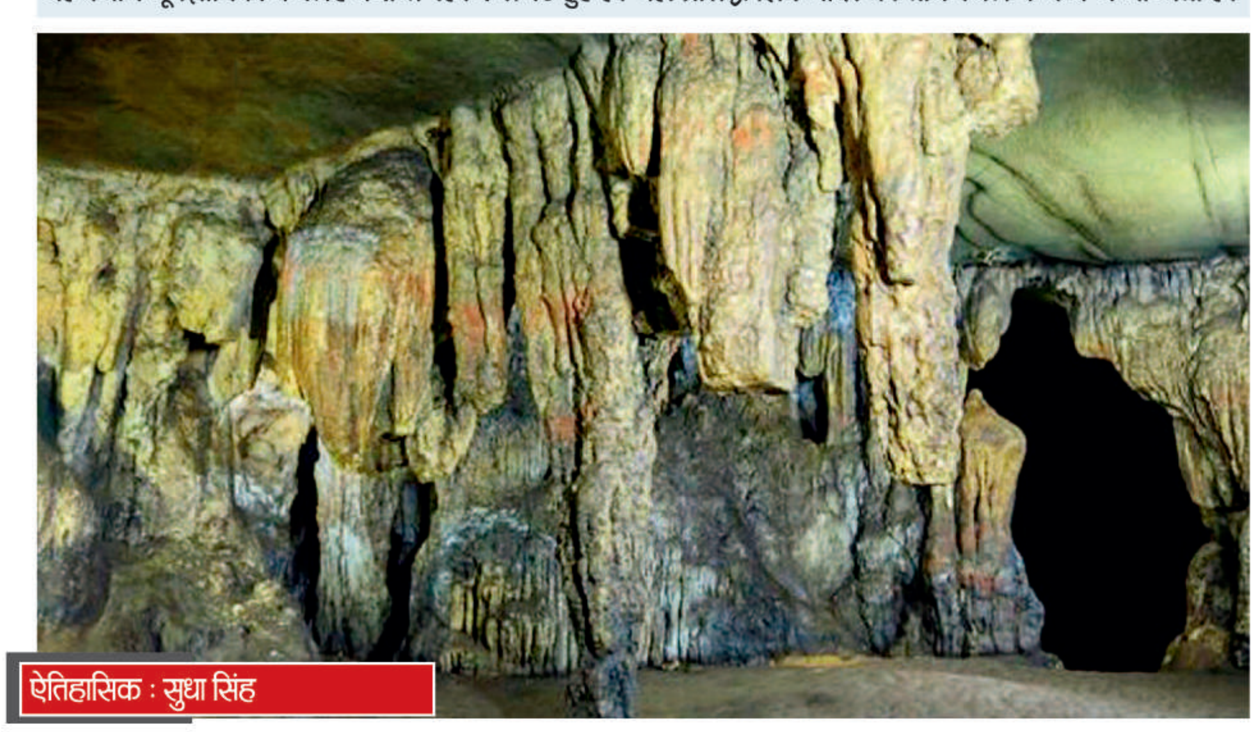

ऐतिहासिक : सुधा सिंह

छत्तीसगढ़ के उत्तरी भाग में स्थित जशपुर जिला प्रकृति प्रेमियों के लिए सत्य संवर्ग है। पूरा क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों और जनजातीय आबादी से भरा पड़ा है। आदिवासी यहां के मुख्य निवासी हैं। कैलाश गुफा कांगेर की घाटी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित है। यहां सौ मीटर लंबी गुफा एक पहाड़ी में स्थित है। इसे छत्तीसगढ़ की सबसे अधिक लंबाई वाली गुफा मानी जाती है। गुफा की विशेषता है कि यह चूना पत्थर के खंभे पर टिका हुआ है। यह स्थान भूवैज्ञानिकों के लिए पर्याप्त रहस्य समेटे हुए हैं। यहां प्रसिद्ध शिव मंदिर का तीर्थ स्थल के रूप में मान्यता है। महाशिवरात्रि व सावन माह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए इस मंदिर में आते हैं। इस गुफा में संत रामेश्वर गहिरा गुरू ने भी जप-तप किया था। शिव पार्वती के मंदिर के अलावा और भी अनेक मंदिर गुफाओं में दिखाई देते हैं। इसके अतिरिक्त यहां प्रमुख आकर्षण केन्द्र में यज्ञ मंडप, संस्कृत विद्यालय, गहिरा गुरू आश्रम और बाघ माड़ा भी है।

संस्कृति

प्रो. कृष्णदत्त वाजपेयी

छत्तीसगढ़ में कृषि और ऋषि संस्कृति

दक्षिण कोसल अर्थात छत्तीसगढ़ का प्राचीन इतिहास तथा संस्कृति बहुत समृद्ध थी। अगस्त्य तथा उनके साथ अन्य ऋषियों के कार्य उल्लेखनीय थे। ऋषि आश्रम संस्कृति का इस भूभाग पर असाधारण रूप से विकास हुआ था। छत्तीसगढ़ के कोसल और दंडकारण्य क्षेत्र में यह माना गया है कि अनेक ऋषियों के आश्रम थे। इन ऋषियों में श्रृंगी ऋषि सर्व प्रमुख हैं। जिनका आश्रम सिहावा पर्वत माना गया है। श्रृंगी ऋषि के संबंध में पुराणों में अनेक गाथाएं मिलती है जिनमें से एक गाथा अंगदेश में वर्षा कराने और दूसरी गाथा महाराज दशरथ के लिए पुत्रेष्टि यज्ञ संपन्न कराने से संबंधित है। इसी तरह ऋषि याज्ञवल्वय का संबंध दंडकारण्य से बताया गया है। इनके अतिरिक्त महत्वपूर्ण रूप से महर्षि अत्रि का आश्रम धमतरी जिसे में और श्रृषि वाल्मीकि का आश्रम तुरतुरिया में माना गया है।

लोक नाट्य

प्रो. मृदुला शुक्ला

बहादुर कलारिन नाटक में हृदयस्पर्शी संवाद

मानवीय सरोकारों की अभिव्यंजना छत्तीसगढ़ी भाषा में लिखित नाटकों से भी हुई है। 'बहादुर कलारिन' नाटक में एक ओर लोकगाथा को आधार बनाकर एक मां द्वारा अपने अनैतिक सोच रखने वाले बेटे का संहार दिखाया गया है दूसरी ओर गांव की जमीनों को शक्ति संपन्नों द्वारा खरीदे जाने पर आम ग्रामीणों द्वारा विरोध किया जाना भी दर्शाया गया है। इस रूप में खेतिहर ग्रामीणों ने अपने हित अपनी संपत्ति के रक्षण की चेतना को उभारने का प्रयास किया है। बहादुर कलारिन के बेटे छछान द्वारा सरपंच से कहे गए निम्नलिखित कथन से यही सत्य उद्घाटित हुआ है।-'ऐ गंगरेल वाले राजा हा नवापारा में आके बस गेहे अउ सोररगढ़ अउ चिरचारी के सब जमीन ल लेवत जाथे। अउ तुमन जमीन ल बेचत हव। इही प्रोग्राम ला बंद करे बर हमन बइठका सकेले हन। पइसा ह सबर दिन बर पुर जही का? जमीन ह सबर दिन बर पुरथे। 'बहादुर कलारिन' नाटक में करूणा और ममत्व से भरी हुई बहादुर कलारिन का गलत बात के विरूद्ध आक्रोश जिस तरह फूटकर निकलता है वह हमें सोचने को विवश कर देता है। उनके नाटक जिंदगी और समय में घुल मिल जाते हैं।

पुरातत्व

शंकर पांडे

इतिहास के पन्नों में सहसपुर लोहारा

सहसपुर और लोहारा दोनों अलग-अलग गांव हैं। इन दोनों के मध्य 2 कि.मी. लंबा तालाब था। कहा जाता है कि हैहयवंशी राजाओं के आदि पुरूष सहस्त्रार्जुन के नाम से इसे बसाया गया था।

छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक इकाई के रूप में जमींदारियों का उल्लेख मिलता है, जो वास्तव में यहां के प्रशासक थे। परिस्थितियों के अनुसार इनका स्वरूप बदलता रहा। इसी कड़ी में देखें तों-(वर्तमान खैरागढ़, छुईखदान और गंड़ई से लगा) सहसपुर लोहारा जमींदारी का क्षेत्रफल लगभग 219 वर्ग कि.मी. था। इसके ग्रामों की संख्या 88 के आसपास थी। पहले यह कवर्धा रियासत का एक भाग था। इसे कवर्धा के राजा महाबली सिंह द्वारा बैजनाथ सोनसिंह को प्रदान किया गया, जो उसी वंश के बेल करिया गोड़ थे। सहसपुर और लोहारा दोनों अलग-अलग गांव हैं। इन दोनों के मध्य 2 कि.मी. लंबा तालाब था। कहा जाता है कि हैहयवंशी राजाओं के आदि पुरूष सहस्त्रार्जुन के नाम से इसे बसाया गया था। यहां से प्राप्त एक उत्कीर्ण लेख के अनुसार राजा यशोराज, उनकी पत्नी लक्ष्मी देवी, उनकी संतान भोजदेव-राजदेव और कुमारी जसल्लादेवी का नाम उत्कीर्ण मिलता है।

मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि गाजीपुर मेरी कर्मस्थली है : महंत भवानीनंदन यति

अयोध्या में श्रीराम मंदिर की तर्ज पर हरिहरपुर हाला में बनेगा काली मां का भव्य मंदिर

प्रखर जखनियां गाजीपुर। वासंतिक नवरात्र के शुभ अवसर पर अति प्राचीन मां काली धाम परिसर हरिहरपुर में शत चण्डी महायज्ञ, वैदिक धमार्चार्यों के मंत्रोच्चार एवं हवन पूजन के बीच विधि विधान से सम्पादित हो रहा है। वैदिक मंत्रोच्चार व हवन पूजन की सुगंध से पूरा क्षेत्र भक्ति भाव से ओतप्रोत है। प्रातः काल से ही श्रद्धालु जन मंदिर में स्थापित माता की तीनों मूर्तियां का पूजन अर्चन तथा यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर अपने को धन्य कर रहे हैं। प्रसिद्ध सिद्धपीठ हथियाराम मठ की शाखा के रूप में संचालित इस पवित्र धाम पर, प्रसिद्ध सिद्धपीठ हथियाराम मठ के पीठाठाधीश्वर व जूना अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी श्री भवानीनंदन यति जी महाराज के निर्देशन में सम्पादित हो रहे महायज्ञ के मुख्य यजमान अस्ट्रेलिया में रहे प्रसिद्ध अस्थि विशेषज्ञ डॉक्टर सतीश गोयल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती विद्या गोयल इस महायज्ञ के मुख्य

यजमान हैं। वासंतिक नवरात्र की सप्तमी के शुभ अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी श्री भवानीनंदन यति जी महाराज ने हरिहरात्मक पूजनोंपरांत पत्रकार वार्ता में हरिहरपुर धाम तथा नवरात्र की महत्ता पर प्रकाश डाला। मंदिर की प्राचीनता का उल्लेख करते हुए महाराज श्री ने कहा कि अयोध्या में नवनिर्मित भव्य श्रीराम मंदिर की ही तरह हरिहरपुर के इस काली धाम में भी मां काली का दिव्य मंदिर बनेगा। खड़बा क्षेत्र के गांवों की कुल देवी का यह जागृत मन्दिर हजारो वर्ष प्राचीन है। इस मंदिर को नवीन रूप दिए जाने की कार्य योजना अब अंतिम चरण में है। मंत्रों में स्थित शक्तियों का वर्णन करते हुए महाराज श्री ने कहा कि सनातन धर्म में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का पूजन किया जाता है जिसने विश्व की संरचना की है और वर्तमान युग में वैज्ञानिक समस्त सृष्टि को न्यूट्रान, प्रोट्रान और इलेक्ट्रान से संचालित मानते हैं। उन्होने कहा कि सनातनी परम्परा में मंत्र की असीम शक्तियों का वर्णन है। मंत्र की साधना से आज भी असंभव कार्य संभव हो सकते हैं और आपकी इच्छा की पूर्ति हो सकती है। मंत्र के बल पर ही महाराजा दशरथ ने श्रीराम जैसा पुत्र प्राप्त किया। श्रीराम जैसा पुत्र आज तक दूसरा नहीं हुआ। धन वैभव प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि श्री शुक्त स्त्रोत के एक करोड़ बार जाप करने से व्यक्ति को कभी धन सम्पदा की कमी नहीं हो सकती। अपने को पूर्ण सन्यासी बताते हुए कहा कि मैं सन्यासी परम्परा के लिए निर्धारित नियमावली के अनुरूप जीवन यापन करता हूं। मैं अत्यंत भाग्यशाली हूं कि गाजीपुर मेरी कर्मस्थली हैं। उन्होने चुनौती पूर्ण शब्दों में कहा कि सरकार मुझे कोई भी मुश्किल काम सौंप दें, मैं मंत्र के बल पर सफलता पूर्वक पूर्ण करुंगा। कहा कि देश की सुख-समृद्धि के लिए मैं सदैव नवरात्र में मां काली का पूजन-अर्चन करता हूं इससे जीवन में नयी चेतना का संचार होता है। उल्लेखनीय है कि नव सम्वत के प्रथम माह चैत्र में पड़ने वाली बासंतिक नवरात्र का जीवन में विशेष महत्व होता है। धर्म ग्रंथों, पुराणों के अनुसार चैत्र नवरात्र का समय मां के पूजन अर्चन हेतु बहुत ही शुभ माना जाता है। इस समय प्रकृति भी प्राकृतिक उर्जा से आह्लादित होती है। इस मौसम में वातावरण व जीवन में एक नई उर्जा का संचार होता है।

बृजमनगंज वार्ड नं 11 में देर रात पहुंची स्वास्थ्य टीम सैकड़ों लोग रहे मौजूद

प्रखर पूर्वांचल महाराजगंज । जनपद महराजगंज के नगर पंचायत बृजमनगंज वार्ड नं 11नरायनपुर मे देर रात 9 बजे फाईलेरिया रोग संबंधी रक्त जांच के लिए बृजमनगंज सीएचसी से स्वास्थ्य टीम पहुंची।स्वास्थ्य टीम के पहुंचते ही गांव की सैकड़ों महिला पुरुष इकट्ठा हो गए। बीसीपीएम विनोद कुमार ने बताया कि फाईलेरिया रोग के लिए रक्त का जांच कराना आवश्यक है इसके बैक्टीरिया रात के समय सक्रिय रहते हैं इसलिए यह जांच रात में किया जा रहा है यदि आपके रक्त में फाईलेरिया के लक्षण दिखाई देते है तो स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क ईलाज कर बिमारी को दूर भगाया जायेगा अन्यथा इसका

प्रभाव ब्यक्ति के शरीर में 15 से 20 साल दिखाई देता है ब्यक्ति के शरीर का अंग फूल जाता हैं हाथीपांव हो जाता हैं।महिलाओं एवं पुरुषों ने एक एक कर रक्त का जांच कराया तथा आशा द्वारा काफी संख्या में लोगों को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता कार्ड से जोडा गया।दस्तक अभियान के तहत गंदगी एवं मच्छर से बचाव हेतु अपने आसपास सफाई एवं मच्छरदानी का प्रयोग के बारे मे जानकारी दी गई। इस दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ता बीसीपीएम विनोद कुमार एचईओ देवेंद्र कुमार ,भार्गव, भूषण, रामेश्वर,सभासद अनूप चौरसिया, आशा रानी देवी,राजन,कृष्णा नंद,गौरी शंकर, शोभनाथ, हरिराम गीता शर्मा सहित सैकड़ों महिला पुरुष मौजूद रहे।

पहले मतदान फिर जलपान के नारे से गूंजी गांवों की पगडंडिया

प्रखर पिंडरा वाराणसी। स्वीप कार्यक्रम के तहत पिंडरा विकास खण्ड के एक दर्जन प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों द्वारा मंगलवार को स्कूल चलो अभियान व मतदाता जागरूकता अभियान के तहत रैली निकाली गई। जो गांवों के पगडंडियों और कस्बो में भ्रमण कर लोगों को जागरूक किया। प्राथमिक विद्यालय जमापुर में खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली में शामिल बच्चे पहले मतदान फिर जलपान, लोकतंत की शान , सब करो मतदान, शिक्षा है अनमोल रतन , इसका करो जतन समेत अनेक स्लोगन से लिखी तख्तियों को लेकर गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों को जागरूक किया। रैली पश्चात शिक्षक अभिभावक की बैठक को सम्बोधित करते हुए

बीईओ ने अपील की गर्मी को देखते पहले मतदान फिर खानपान के स्लोगन को अपने जीवन मे चरितार्थ करते अधिक से अधिक मतदान कर लोकतंत्र के इस पर्व के भागीदार बने। इस दौरान शपथ भी दिलाई। इस दौरान ग्राम प्रधान विनोद पटेल, प्रबंध समिति के सदस्य व शिक्षकगण उपस्थित रहे। इसके अलावा क्षेत्र के कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय जाठी, पूर्व माध्यमिक विद्यालय करेमुवा, प्राथमिक विद्यालय अहिराबीर, गजेंद्रा, चितईपुर, नेहिया, सरायशेखलार्ड, थानारामपुर, धरसौना, थरी, सुरही तथा कम्पोजिट स्कूल जगदीशपुर समेत अनेक प्राथमिक व कंपोजिट विद्यालयों में स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकाली गई।

कारपोरेट जगत में नौकरी के लिए प्रभावशाली सी.वी. होना जरूरी : प्रो. आनन्द कुमार त्यागी

वाराणसी। प्रबन्धशास्त्र अध्ययन संस्थान, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, में व्याख्यान श्रृंखला के अन्तर्गत मंगलवार को "मैनेजमेण्ट स्टूडेण्ट में क्या विशेषताएँ होनी चाहिए" विषयक व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनन्द कुमार त्यागी ने कहा कि कारपोरेट जगत में नौकरी प्राप्त करने के लिए आकर्षक व प्रभावशाली सी.वी. होना चाहिए। सफल मैनेजर बनने के प्रमुख विशेषताओं में उन्होंने एकाग्रता, विविधता, अनुकूलन, विशिष्टता, दूरदर्शी व स्वीकार्यता पर विशेष बल दिया। उन्होंने छात्रों को स्काई इज द लिमिट का मंत्र दिया। उन्होंने सफलतापूर्वक साक्षात्कार का सामना करने की विशेषतायुक्त कला बताई। कहा कि अपनी कमजोरियों को स्वीकारते हुए सुधारने का सफल प्रयास करना चाहिए। इसके लिए उन्होंने आइएमकोजिकोट में अपने प्रशिक्षण का उदाहरण दिया। आगे मैंनेजमेण्ट छात्रों के लिए सापेंट स्किल, कम्यूनिकेशन, लीडरशिप, टीम बिल्डिंग, टाइम मैनेजमेण्ट, स्ट्रेस मैनेजमेण्ट आदि पर विशेष महत्व दिया। उन्होंने कम्यूनिकेशन की रणनीति बताई तथा इफेक्टिव डिसीजन मेकिंग की आवश्यकता को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया। अन्त में छात्र-छात्राओं को मैनेजमेण्ट एक्सरसाइज कराया जो बहुत ही प्रभावशाली रहा। स्वागत प्रबन्धशास्त्र अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रो. अशोक कुमार मिश्र ने किया। संचालन डॉ. अभिषेक कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रीना शुक्ला ने किया। इस अवसर पर विवेक कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दिलीप कुमार सिंह, डॉ. चित्रसेन गौतम, सचिन जैसल आदि उपस्थित रहे।

आज निकलेगी भव्य शोभायात्रा : ई. राविन्स गुप्ता

पुलिस प्रशासन अलर्ट, चप्पे-चप्पे पर पुलिस रहेगी तैनात

प्रखर खेतासराय जौनपुर। नगर में रामनवमी को लेकर खास तैयारी की जा रही है । हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी । इस बार खास बात यह है कि विशेष प्रकार की झांकी को शोभा यात्रा में शामिल किया जाएगा। जो नगर के लोगों के लिए खास आकर्षण केंद्र रहेगी। शोभा यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। शोभा यात्रा को लेकर कार्यकताओं पिछले कई दिनों से तैयारी में लगे हुए हैं। 17 अप्रैल दिन बुधवार को दोपहर 2 बजे शोभायात्रा रामलीला मैदान गोलबाजार स्थित श्रीरामपुरम से निकलेगी और पूरा नगर में भ्रमण के पश्चात वापस वहीं

आकर संपन्न होगी । संगठन हिन्दू युवा वाहिनी द्वारा निकाली जाने वाली रामनवमी शोभायात्रा के संदर्भ में आई.टी. सेल संयोजक ई. राविन्स गुप्ता विक्की ने बताया कि शोभायात्रा को भव्य और विराट बनाने के लिए प्रतिदिन प्रातः नगर के आसपास क्षेत्र में हियुवा टीम के द्वारा जनसंपर्क अभियान का भी कार्य किया जा रहा और प्रभु श्रीराम के भव्य शोभायात्रा के लिए सारा कार्य बहुत तेजी से किया जा रहा है । उन्होंने समस्त नगरवासियों और क्षेत्रवासियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में शोभायात्रा में शामिल होने की अपील की। प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने बताया सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं. पुलिस बल तैनात किया जाएगा. उन्होंने बताया सादा वर्दी में भी पुलिस वाले मौजूद रहेंगे. भगवान राम की शोभा यात्रा को शांतिपूर्वक निकालने के लिए जिला प्रशासन मुस्तैदी से लगा हुआ है. शोभायात्रा में पुलिस लाइन से भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

कासिमाबाद पुलिस ने किया अवैध तमन्चा व जिन्दा कारतूस के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के निकट पर्यवेक्षण में मंगलवार को उप निरीक्षक आशुतोष शुक्ला मय हमराह देखभाल क्षेत्र रोकने जुर्म जरायम व अपराधियो की धर पकड़ हेतु अन्दर थाना क्षेत्र मामूर थे कि मुखबिर की सूचना पर रसूलपुर तिराहा के पास से अभियुक्त अंकुश यादव पुत्र कैलाश यादव निवासी ग्राम भोजवपुर थाना बिरनो जनपद गाजीपुर उम्र करीब 26 वर्ष को दिनांक 16.04.2024 समय 8.50 बजे हिरासत पुलिस लिया गया जिसके कब्जे से 01 अदद अवैध तमन्चा .315 बोर व 01अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया ।

संक्षिप्त खबरें

नगर पंचायत की यही पुकार: पहले चलों करें मतदान तभी बनेगा देश महान

प्रखर महराजगंज। नगर पंचायत बृजमनगंज में सोमवार को महराजगंज जिलाधिकारी अनुनय झा के दिशानिर्देश पर नगर पंचायत कार्यालय के कर्मचारियों ने मतदाता जागरूकता अभियान की कस्बे में रैली निकाल कर लोगों से मतदान की अपील की रैली में नगर पंचायत के सफाई कर्मचारियों एवं महात्मा गांधी इंटर कालेज के एनसीसी सहित स्कूल के छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया।नगर पंचायत ईओ सुरभि मिश्रा ने कहा कि लोकतंत्र में मतदान करना देश के हर नागरिक का अधिकार है। देश को सशक्त एवं मजबूत बनाने के लिए चुनाव के समय अपने बूथ स्थल पर जाकर अवश्य मतदान करें।छात्र छात्राओं ने स्लोगन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। इस दौरान मुख्य रूप से नगर पंचायत ईओ सुरभि मिश्रा, प्रधानाचार्य रामऔतार,कासिम अली, सहाबुद्दीन,राहुल यादव, विजय शंकर,सतेन्द्र चौधरी सहित अनेक सफाई कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर लिपिक राहुल यादव, मोहम्मद कासिम, सहाबुद्दीन, विजय शंकर, कुमार गौरव, दीपक विश्वकर्मा, सतेंद्र चौधरी, अखिलेश्वर, परशुराम चौरसिया सहित बड़ी संख्या सफाई कर्मी मौजूद रहे।

चैत्र नवरात्रि का महाअष्टमी पूजा मनाया गया

प्रखर वाराणसी। बंगाल के शक्ति पूजा के अनुरूप देवी का महा अष्टमी स्त्रान, पूजा तथा भोग आरती निवेदन किया गया, साथ ही दुर्गा सप्तशती जिसे बांग्ला में चंडी भी कहते हैं इस पूरे ग्रंथ का पाठ हुआ इंटरनेशनल वेदांतो सोसाइटी में महा अष्टमी का मुख्य आकर्षण कुमारी पूजा तथा संधि पूजा है, नौ वर्ष के आयु के नीचे की कन्या को महा गौरी के रूप में सजाकर उन्हें पूर्ण भक्ति भाव से पूजन किया जाता है जिसे दर्शन करके श्रद्धालु धन्य हो जाते है। अष्टमी और नवमी के संधि काल के पूजा को संधि पूजा कहते हैं, यही संधि पूजा नवरात्रि का महत्वपूर्ण तथा शक्तिशाली पूजा होता है जिसमे मां चामुण्डा देवी का पूजा होता है। स्वामी प्रभुद्धानंद पूरी जी, महा मंत्री, उज्ज्वल कुमार बनर्जी, देवाशीष चक्रवर्ती, डॉ जया रॉय, सुजाता यादव, प्रोतिमा मंडल, बोकुल डे, रीता रॉय, पार्थ प्रतिम भद्र, बाप्पादित्य पाल, आकाश सेठ, मृत्युंजय चक्रवर्ती, सोमनाथ भट्टाचार्य, अमित पांडे, विक्की गुप्ता, राजा डे, आयुष यादव, आकाश पांडेय, विष्णुदेव पांडेय, सुभजीत लाहा उपस्थित थे।

पूर्वांचल की बेटी बनी कलेक्टर

आजमगढ़ बुढ़नपुर निवासी पूर्व ज्वाइंट सेक्रेटरी की बेटी बनी कलेक्टर

प्रखर वाराणसी। बिहार कैडर के पूर्व पीसीएस अधिकारी और झारखंड कैडर से रिटायर्ड ज्वाइंट सेक्रेटरी चंद्र कुमार सिंह की पुत्री आकांक्षा सिंह ने यूपीएससी की परीक्षा पास करते हुए ऑल इंडिया रैंकिंग में 44 वां स्थान प्राप्त किया है। आजमगढ़ के बुढ़नपुर गांव और तहसील निवासी चंद्र कुमार सिंह की पुत्री आकांक्षा सिंह की शुरूआती शिक्षा जमशेदपुर से हुई उन्होंने वहां से हाई स्कूल और इंटर की परीक्षा पास करने के बाद मिरांडा हाउस दिल्ली से ग्रेजुएशन करने के बाद जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली से भूगोल में मास्टर डिग्री और एमफिल किया वर्तमान में वह रांची विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। प्रखर पूर्वांचल से बात करते हुए आकांक्षा सिंह के पिता चंद्र कुमार सिंह ने ईश्वर को धन्यवाद देते हुए कहा कि रामनवमी के इस अवसर पर परिवार को जो खुशी प्राप्त हुई है वह उन्हें प्रभु की देन है उन्होंने बिटिया के बारे में बात करते हुए कहा कि शुरूआत से ही लगनशील और परिश्रमी रही आकांक्षा अपने धुन की पक्की और लक्ष्य के प्रति हमेशा जिद्दी रही जिसका परिणाम रहा कि उसने यूपीएससी में उसने यह मुकाम हासिल किया है। उसने पूरे परिवार, क्षेत्र, जिला और प्रदेश का नाम रोशन किया है। हमें अपनी बेटी पर गर्व है। चंद्र कुमार सिंह वर्तमान में वाराणसी वीडीए कॉलोनी लालपुर में रहते हैं। आकांक्षा सिंह की माता गृहणी है और भाई भी इंजीनियरिंग करने के बाद से सिविल के तैयारी कर रहा है।

श्रीमद्भागवत ज्ञान कथा यज्ञ का हुआ शुभारंभ

प्रखर जखनिया गाजीपुर। स्थानीय कस्बा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में हनुमान मंदिर प्रांगण में सतनाम साहब सेवा समिति द्वारा 7 दिवसीय श्रीमद् भागवत ज्ञान कथा यज्ञ का आयोजन हनुमान जयंती के अवसर पर बुधवार को अपरान्ह्य 2:00 बजे 51 कन्याओं द्वारा कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया।प्रतिदिन सायं 5:00 बजे से देर शाम 9:00 तक भागवत कथा की अमृत वर्षा व भजन कीर्तन का कार्यक्रम चलेगा। जिसका समापन 23 अप्रैल को हवन पूजन के साथ संपन्न किया जाएगा। यह जानकारी समिति के सदस्य मनोज प्रजापति ने दी ।

वाराणसी लोकसभा चुनाव में गो-गठबंधन के प्रत्याशी होंगे कोलीशेट्टी शिवकुमार

प्रखर वाराणसी। मैदागिन स्थित पराड़कर भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में युग तुलसी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कोलीशेट्टी शिवकुमार, अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय महासचिव देवेंद्र पांडेय व प्रखर संत गौ परिब्राजक दया शंकरदास जी महाराज,गौ गठबंधन के राष्ट्रीय संयोजक राजा सक्षम सिंह योगी ने पत्रकारों को बताया कि ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अवमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज '1008' के संरक्षण में पूरे देश मे चलाए जा रहे महाअभियान गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करवाने, गौ वंश पर हो रहे अत्याचार को रोकने, गौ हत्या को रोकने, कत्लखाने बंद करवाने, गाय को राष्ट्र माता का गौरव दिलवाने के उद्देश्य से देश की 75 राजनीतिक पार्टियों द्वारा गौ माता को सुरक्षित रखने के लिए गो गठबंधन का गठन किया है। वाराणसी लोकसभा चुनाव में गो गठबंधन के प्रत्याशी व युग तुलसी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कोलीशेट्टी शिवकुमार चुनाव लडेंगे । गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने के लिए गोवर्धन से दिल्ली तक जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अवमुक्तेश्वरानन्द जी महाराज ने हजारो गौ भक्तों के साथ नंगे पॉव पद

यात्रा की और करपात्री जी के आंदोलन के दौरान संसद भवन में जहां गोलिया चलाई गई थी वहाँ गौ माता और शहीद हुए संत गौ भक्तों को श्रद्धांजलि देने के बाद प्रतिज्ञा की गई की जो सरकार और पार्टियां बार - बार निवेदन और आवेदन करने के बाद भी गौ हत्या नहीं रोक पाई या गौ हत्या रोकने का वचन नहीं दे पाई उन गौ हत्यारी पार्टियों का बहिष्कार होना चाहिए और जनता को जाने अनजाने लगने वाले गौ हत्या के पाप से बचने के लिए उस गौ गठबन्धन को वोट करना चाहिए। जिसने शपथ पूर्वक प्रतिज्ञा की है की हम गौ माता की हर हाल मे रक्षा करेगे। अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय महासचिव व गौ गठबंधन के प्रवक्ता देवेन्द्र पाण्डेय ने कहा की गौ माता की रक्षा के लिए ही गौ गठबंधन की और से गौ भक्त कोलीशेट्टी शिवकुमार युग तुलसी पार्टी के प्रत्याशी के रूप वाराणसी लोकसभा चुनाव में हमने स्वीकार किया है । हम गौ हत्या के खिलाफ है, हम गंगा के अस्तित्व रक्षा के लिए संकल्पित है, हम संतों की मयार्दा बचाने और बाबर जैसी क्रूरता कर जो प्राचीन मंदिर वाराणसी की पुरातन पहचान को मिटाने के लिए तोड़े गए उनका पुनः निर्माण करना हमारी प्रमुख प्राथमिकता है । युग तुलसी पार्टी के प्रत्याशी कोलीशेट्टी शिवकुमार ने कहा की गौ की रक्षा के लिए ही मैं हैदराबाद से वाराणसी आया हूं मैं गौ भक्त हुं इस सनातनी राष्ट्र में गौ माता की लाइव हत्या हो रही है और सरकार चुप है यह देख कर मेरा मन रोता है चुनाव के पहले मोदी जी गौ हत्या रोकने की बात करते थे अब उन्हें जाने क्या हो गया की गंगा पुत्र बनकर भी गौ हत्या बंद नहीं कर रहे है। मैं सनातन की रक्षा के लिए ही वाराणसी आया मुझे सनातन पर पूरा भरोसा है की गौ हत्या बंद करने के लिए जनता हमे जरूर चुनेगी । गौ परिब्राजक दयाशंकर दास जी ने कहा की गौ हत्यारा देश का नेतत्व करे यह देश का दुर्भाग्य है कि सनातनी खामोश है इस लिए सनातन रक्षा के लिए सनातनियों को संगठित होना होगा तभी देश बचेगा।

गाजीपुर के प्रथम सांसद हर प्रसाद सिंह जी की पुण्यतिथि पर दी गयी श्रद्धांजलि

प्रखर गाजीपुर। कोयला घाट , गाजीपुर में ठाकुर द्वारा के प्रांगण में गाजीपुर के प्रथम सांसद श्रद्धेय स्व हर प्रसाद सिंह के पुण्यतिथि पर एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गयी। सर्वप्रथम इस श्रद्धांजलि सभा मे उनके पौत्र ओम प्रकाश सिंह और विजय प्रकाश सिंह और वहाँ उपस्थित लोगों ने उनकी तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनको नमन किया। उनके प्रपौत्र अतुल सिह ने बताया कि श्री हर प्रसाद सिह जी का जन्म सैदपुर तहसील के परसनी गाँव मे 1 दिसम्बर 1900 ई में हुआ था । उनके पिता श्री फतेहबहादुर सिह खुद एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे । उन्ही के पद चिन्हों पर चलते हुए वह सन 1930 ई में सविनय अवज्ञा आंदोलन में सत्याग्रह करते हुए पहली बार जेल गए। उनके साथ उनकी पत्नी केसरी देवी भी जेल गयी थी । डॉ शम्मी कुमार सिंह ने कहा कि वह कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रहते हुए तथा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य होते हुए पूरे जनपद गाजीपुर में स्वतंत्रता आंदोलन की अलख

जगाते रहे और कई बार जेल यात्राएं की। पहले आम चुनाव 1952 में वह कांग्रेस से चुनाव लड़ते हुए लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए। भाजपा नेता योगेश सिह ने उनको याद करते हुए उनके कोआपरेटिव आंदोलनों के जिक्र किया और उन्होंने बताया कि गाजीपुर में कोआपरेटिव क्रांति के जनक हर प्रसाद सिंह जी ही माने जाते है। वह हम सभी लोगो को सत्तासी साल की अवस्था मे आज ही के दिन 15 अप्रैल 1987 को छोड़ कर चले गए। इस अवसर पर रूपेश सिह, फजलूल इस्लाम शीबू , रविभान सिह , रिंकू सिह, आदर्श सहित गाजीपुर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं